azamworld.blogspot.com
राज
कॉमिक्स विशेषांक
संख्या 2553 मूल्य 90.00
हंटर्स
बालचरित
सुपर कमांडो
ध्रुव
JUPITER CIRCUS
जूपिटर सर्कस
सर्वनायक वर्ष 2015

azamworld.blogspot.com persent's

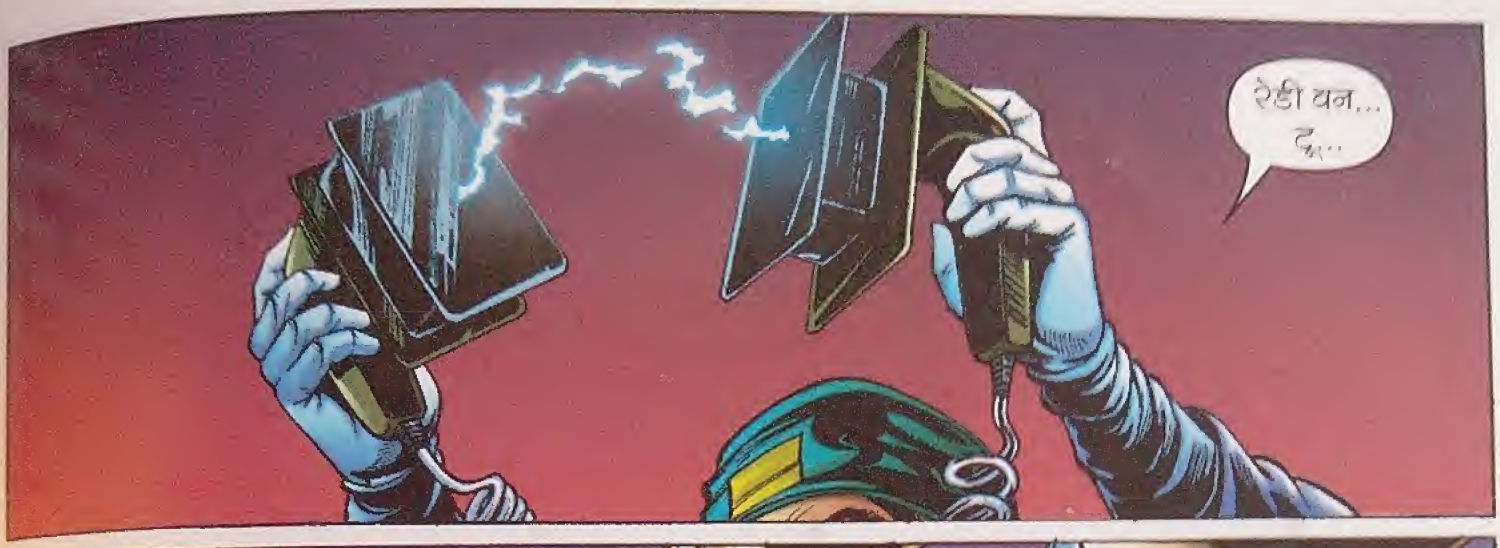

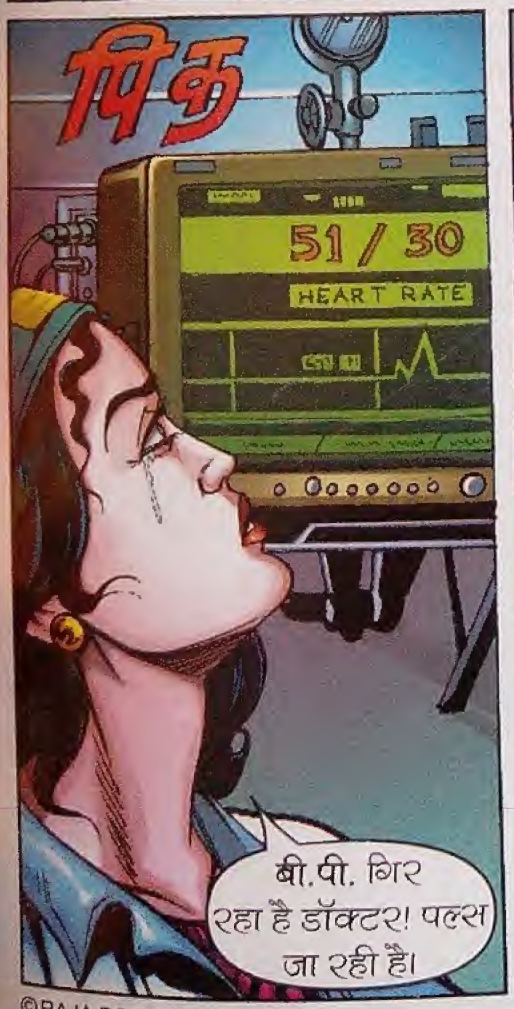

©RAJA POCKET BOOKS

संजय गुप्ता पेश करते हैं!

राज कॉमिक्स है मेरा जनून!

कथा एवं चित्रांकन: अनुपम सिन्हा
इंकिंग: विनोद कुमार
इफैक्ट्स: बसंत, मोहन प्रभु
कैलीग्राफी: मंदार गंगेले, नीरू
संपादक: मनीष गुप्ता

संस्थापक: राज कुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता

©RAJ COMICS-HOME OF INDIAN SUPER HEROES 1986-2014.

तीन दशक मनोरंजन के।

क्या हुआ! क्यों हुआ? कैसे हुआ? जिंदगी में घटने वाला कोई भी हादसा किस पल जन्म लेता है, यह बता पाना असंभव है।
समय के तार के हर छोर से अनगिनत तार निकलते हैं, और उन सारे तारों के छोरों से और असंख्य लट जुड़े होते हैं।
काल के आरंभ में हुई घटना, काल के अनंत तक पर असर डालती है।
यूक्रेन के किएव शहर में होटल क्राउन किएव की 75वीं मंजिल
हम 75वीं मंजिल पर हैं। 60वीं मंजिल से ऊपर की लिफ्ट बंद है, सीढ़ियां ब्लॉक्ड हैं!
फिर भी हर फ्लोर के हर एंट्रेंस और एक्जिट पर मिलिट्री का पहरा है।
RADISSON BLU
अब और सिर्फ तीस सेकंड बचे हैं। अगर तुम्हारा किलर अगले तीस सेकंड में मुझे गोली मार दे तो..
तो जितना भी बड़ा मुंह फाड़ोगे, सोने से भर दिया जाएगा। वर्ना, खोपड़ी गोलियों से भर दी जाएगी।
डार्लिंग, देखो तौलिया बाहर छूट गया है क्या?
ओफ्फो!
शाम के सात बज रहे हैं। यह कोई नहाने का टाईम है?
तुम औरतें भी न!
पकड़ो यह तौलिया। और अब अपनी चोंच बंद रखना।

तुम भी!
अभी छः सेकेंड बचे हैं जनरल!
और हम कांट्रेक्ट में ये 'पेंटबॉल' वाली गन्स यूज नहीं करते।
पर यह बाथरूम के अंदर पहुंची कैसे?
बाथरूम में एक कमजोर जगह होती है...
...वेंटीलेटर! और शॉफ्ट में 75 मंजिल चढ़ना हमारे ऑप-रेटिव्स के लिए बांए हाथ का काम है।
इम्प्रेसिव!
तो मैं अपना मुंह खोलूं?
जितना बड़ा खोल सकते हो!
यह कॉन्ट्रेक्ट हंटर्स को दिया जाता है।
अब मैं शांति से नहाऊं?
यस, मैम!

"तब तो काम आसान हो गया समझो!"
गृहयुद्ध की विभीषिका में सुलग रहे यूक्रेन देश की राजधानी किएव स्थित प्रेसिडेंट फोर्ट यानी मेरियिन्सिकी पैलेस में!
खतरा बढ़ता जा रहा है मिस्टर प्रेसिडेंट! बागी सैनिक कभी भी बड़ा हमला कर सकते हैं!
और यहां रहने के कारण आपकी वर्तमान स्थिति का सभी को पता है!
आपको हमारे किसी गुप्त ठिकाने पर चले जाना चाहिए!
ताकि विद्रोहियों को आभास हो कि हम डर गए हैं?
मुझे अपनी सिक्योरिटी पर पूरा भरोसा है!
हम सीधे हमले से तो बच सकते हैं सर! क्योंकि उसकी पूर्व चेतावनी मिलनी आसान है!
"हमारी परेशानी गुप्त हमला है!"
यह हवा का हल्का सा झोंका कहां से आया?
कॉन्ट्रेक्ट क्या है, लीडर?
यूक्रेन के प्रेसिडेंट की हत्या!
वह होटल में नहीं प्रेसिडेंट फोर्ट में रहता है और इस वक्त तो वहां की सिक्योरिटी अभेद्य है!...
तुम हमारे अब तक के सबसे खास हथियार के साथ वहां जाओगी, संधानी!
डॉक्टर रैमी याद है तुम्हें? उसके फोर्मुले को हमने पंद्रह साल की मेहनत के बाद फिर से बना लिया है!

"हमारी नई इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स के अनुसार हमारी सेना के कुछ विद्रोहियों ने आपको मारने का कांट्रेक्ट हंटर्स को दिया है!"
"हंटर्स! नाम तो सुना है मैंने! कौन हैं ये हंटर्स?"
"कातिलों का अत्यंत गुप्त ग्रुप है, सर! मैंने भी हंटर्स के बारे में सिर्फ कहानियां ही सुनी हैं"
आऊऽऽ
संभल कर!
"उनके अनुसार अदभुत शक्तियों वाले कातिलों की टोली हैं हंटर्स!"
क्या हुआ?
पता नहीं! मेरा पैर किसी चीज में फंस गया था!
कहां? इस सीढ़ी पर तो कार्पेट तक नहीं लगा!
पर कुछ था जरूर!
"फिल्में तक बनती हैं इनकी कहानियों पर!"
"अचूक निशानेबाज होते हैं ये! वक्र यानी कर्व गोलियों का इस्तेमाल करते हैं ये!"
"जो बूमरैंग की तरह हवा में अपनी दिशा बदल कर भी शिकार को मार सकती हैं!"
अदभुत लड़ाके होते हैं ये! पानी के नीचे देर तक सांस रोकना, सैकड़ों फुट की ऊंचाई से कूदना... अरे!
आपने बुलाया सर?
नहीं तो!
ओह! दरवाजे पर खुद से आवाज हुई थी!

सॉरी सर!
बात को छोटा करके कहूं तो आपको सुरक्षा बढ़ानी...
...होगी! ओ गॉड! ओ माई गॉड!
यह जरूर एक हंटर है!
हमफ!
ओ माई गॉड!
यह लड़की हवा में कैसे प्रगट हो गई?

गार्ड्स को बुलाना होगा!..
भीड़ मुझे पसंद नहीं!
आऊ!!
धड़ाक
पड़ा रह यहीं पर, जब तक मैं अपना काम पूरा ना कर लूं!
मेरे घुटने... टूट गए!
लेकिन मेरे रहते प्रेसिडेंट को कुछ नहीं हो सकता।
"...फायर एलार्म को भी एक्टिवेट कर देगा, जो बाहर मौजूद सिक्योरिटी को एलर्ट करने के लिए काफी होगा।"
इस कागज के जलने से उठने वाला धुआं...
स्मोक सेंसर्स तक पहुंचकर ऑटोमेटिक स्प्रिंक्लर्स के साथ ही...
FREEZ! DON'T MOVE.
SHOOT HER!

DON'T SHOOT!
I SURRENDER...
TO...
TO KILL YOU!
संधानी तलवार की तरह है!
एक बार म्यान से बाहर आ गई तो बिना शिकार किए वापस नहीं जाती!

मैं जानती हूं कि C.C.T.V. पर मुझे देखा जा चुका है!
पर तेरी सुरक्षा आने से पहले ही मैं...
ओह!
...मेरा वार किसने रोका?
ठड़ाक
कोई... कुछ है यहां पर!
जल्दी करो! वह अभी अंदर ही होगी।
ओफ! सिक्यारिटी भी आ गई। मुझे...
...जाना होगा!
अरे! कमरा तो खाली है!
प्रेसिडेंट सर ठीक हैं!
पर्दे के पीछे!
कुछ देर बाद!
पर्दे के पीछे तो कुछ नहीं है सर!
शातिर थी लड़की!

मेहरा निवास, राजनगर।
भईया!
भईया कहां हो तुम?
बाइक खड़ी है उसकी! यानी वह बाहर तो नहीं गया है!

ZOOM 24X

होगा तो यहीं कहीं पक्का!
ठन ठन

इस वेयर हाउस से आवाज आई है!
भईया! तुम हो अंदर!

नहीं!
JUPITER

...भूत है मेरा!
ईSSS!
सही में भूत लग रहे हो!
अब लगा ना मैं तेरा भाई! बोल, क्यों आई है धूल स्नान करने?
बताती हूं!
पर तुम यहां क्या ढूंढ रहे हो?
अपने मां और पापा की कोई अच्छी सी फोटो!
उसे एनलार्ज करवा के लॉस्ट आर्ट फाउंडेशन को देना है!
क्या करेंगे वे इस फोटो का?
वे सर्कस को एक लुप्त होती विद्या मान कर एक म्यूजियम बनाना चाहते हैं जहां पर सर्कसों से सम्बंधित चीजों को प्रदर्शित किया जा सके!
इसलिए मैं यह छंटाई कर रहा था! सिर्फ फोटो ही नहीं, जुपिटर सर्कस की इन सारी चीजों को भी छांटना है!
हां, यहां सर्कस में जानवरों के काम करने पर रोक लगने के बाद सर्कस का आधे से ज्यादा आकर्षण तो खत्म हो ही गया है!
ओ वाऊ! कितनी ब्यूटीफुल लग रही हैं तुम्हारी मां इस फोटो में! एकदम शांत, सौम्य! देवी जैसी!

देवी तो थीं मां! लेकिन दुर्गा देवी!
मां की शक्ल पर मत जा!
अनुशासन की बड़ी पक्की थी मां! पिताजी तो एक बार मुझ बच्चे पर दया कर भी लेते थे, पर मां...
कभी नहीं!
JUPITER Circus DAILY 4
वे जरुर भविष्य देख सकती होंगी! उनके ही कारण तुम आज इतना कुछ संभाल पाते हो!
MAGI BO
मुझे हमेशा लगा जैसे... वे मुझे मजबूत बनाना चाहती थीं! पर उस वक्त तो बस मामूली हादसे होते थे! न जाने उन्हें किस बात की चिंता थी! कभी बताया नहीं उन्होंने!
सीधी सी बात है! नाना... या नानी सख्त रहे होंगे तो मां पर भी असर आ गया होगा!
नाना और नानी?
हां! कैसे थे तुम्हारे नाना-नानी?
अ...कभी जिक्र नहीं चला इस बात का!
मां ने कभी अपने बारे में बात ही नहीं की!

खैर! यह सब छोड़! तू बता, श्वेता बिजी, क्यों ढूंढ रही थी मुझे?
मेरे व्हाट्स एप पर जैकब अंकल का मैसेज आया है!
मॉरिशस में उनके भाई का देहांत हो गया है!
अब वे वापस इंडिया शिफ्ट हो रहे हैं!

पर उससे पहले वे तुम्हारे नाम एक कंटेनर शिप कर रहे हैं! जिसमें जुपिटर सर्कस का वह सामान है जो पुलिस ने यहां से उनको मॉरिशस भेज दिया था! उसकी शिपिंग रसीद का स्कैन भी है!
ओ! तब तो सफाई तेजी से करनी पड़ेगी! जगह जो बनानी है! पर वह कंटेनर खजाना होगा, श्वेता! खजाना!

ब्लैक मनी है क्या उसमें?
हाहा! जैकब अंकल के पास तो व्हाईट मनी भी जरूरत भर ही है!
उसमें जुपिटर सर्कस का पूरा अतीत छुपा है! पिताजी के बारे में भी तो मुझे उनसे ही पता चला था!
पर चल! गप्पी कहीं की! काम करने दे!

अरे देखो तो कौन बोल रहा है?
बोल दूंगी अंकल जैकब से कि मेरे व्हाट्स एप पर ध्रुव के मैसेज मत भेजा कीजिए!
"मैं पोजीशन पर हूं लीडर!"
लड़का, पिछले आधे घंटे से गोदाम में कुछ ढूंढ रहा है!"

क्या करूं? कब तक इंतजार करूं?
"उसके बाहर जाने तक का इंतजार करो! चाहे रात हो जाए!"
"और फिर तलाश शुरू करना। पर याद रहे उलूक! तुम पुलिस कमिश्नर के घर में खड़े हो!"
"कोई आवाज ना हो और किसी भी किस्म की लाईट ना जले!"
अभी हमें इसका सामना नहीं करना है!
नाईट विजन से पांच मिनटों से तलाश कर रहा हूं, बाहर तो कुछ ऐसा नजर नहीं आ रहा है!
एक्स रे विजन ऑन करता हूं! शायद यहां बिखरे पड़े बॉक्सेस के अंदर कुछ मिले!
Album
इन बक्सों के अंदर ऐसा कुछ भी...
नहीं है!
तुम कबाड़ी हो क्या? क्या तुम्हें ध्रुव ने बुलाया है?
MEMOIRS

JUPITER CIRC
कौन है तू? क्या देख कर उलूक के हाथों यहां पर मरने चली आई!
तुझे पता कैसे चला कि इस शैड में कोई है?
काम चुपचाप करते हो! कुछ गिराते नहीं हो पर धूल जरुर उड़ाते हो, खैर!
चंडिका तुम्हें झाड़-पोंछ की नौकरी पर रख सकती है!
चंडिका कौन?
अरे मैं! जी.के. कमजोर है क्या तुम्हारा?
कमजोरी तुझे आएगी शरीर का खून बह जाने के बाद!
आह!
यह तो सचमुच उल्लू की तरह झपट्टा मारता है! धारदार झपट्टा!

यह मामूली चोर या घुसपैठिया नहीं है! इस वेयरहाउस तक पहुंचने के लिए सिक्योरिटी अलार्म की तीन स्टेज पार करनी पड़ती हैं!
और कोई कबाड़ चुराने के लिए पुलिस के घर में घुस कर इतना बड़ा खतरा तो मोल लेगा नहीं!
यानी यह किसी खास मकसद से यहां पर आया है!
पर यह है कौन और इसका मकसद है क्या?
आह!!
आऽऽह! अ... असंभव!
असंभव? तू पहले कभी किसी लड़की से पिटा नहीं क्या?
तेरी हरकतें देख कर ऐसा लगता तो नहीं!
तू मुझ पर वार करने में सफल हो गई! पिछले बारह सालों में पहली बार कोई उलूक को लड़ाई में छू पाया है!
फुर्तीली है तू! खतरा बन सकती है मेरे लिए!

स्वराक्
पर उलूक अपने शिकार को इतना मौका नहीं देता!
मैंने कहा था ना कि कमजोरी तुझे आएगी, जब तेरे शरीर से खून रिस-रिस कर बाहर टपकेगा!
Magic BOX
इससे पहले कि मेरा खून ज्यादा बहे, मुझे इसे खुद ही काबू में करना होगा! क्योंकि मुझे शक है...
...कि यह मुझे मदद बुलाने के लिए बाहर जाने देगा!
और इस पर काबू पाने का एक ही तरीका है!
इसकी बचने की फुर्ती का ऐसा तोड़ ढूंढा जाए कि यह बचने के लिए कुछ ना कर पाए!
ऐसे?
आऽऽह!
आऽऽह!

भाऽऽह!
सबसे पहले उलूक की आंख का इंतजाम करना होगा! और जब इसे दिखाई देना बंद...
...गवाह को जिंदा तो कतई नहीं छोड़ते!
आह!!
लगातार खून निकलने के कारण आंखों के आगे अंधेरा छा रहा है!
लेकिन अगर मैं बेहोश हो गई...
आह!!
तू हर पल मेरी उम्मीद से ज्यादा खतरनाक होती जा रही है!
लेकिन हम अपना निशान कभी नहीं छोड़ते...
...तो चंडिका पकड़ी जाएगी!
...और ऐसा हुआ तो...नहीं! पर मैं ऐसी हालत में करूं तो करूं क्या?
मैं तो मुश्किल से बस हिल पा रही हूं!
कैसे वार करूं इस पर?

पर यहां से बाहर निकल कर मदद बुलाने के लिए कोई तो रास्ता निकालना होगा!
एक रास्ता नजर आ रहा है। यह ह्यूमन केनन।
अरे! कहां गई? यहीं पर तो गिरी थी वह मुसीबत!
उलूक के कैनन के सामने आते ही...
कैनन के अंदर छिपी चंडिका ने लीवर खींच दिया...
ओ...ओ!
और उलूक के कुछ समझ पाने से पहले ही...
...चंडिका तोप के गोले की तरह उलूक से टकराते हुए...

...उसे वेयर हाऊस से बाहर ले आई।
ओफ! इस लड़की ने मरणासन्न अवस्था में भी मुझे खुले में आने पर मजबूर कर दिया है!
यह हाई सिक्योरिटी जोन है! मुझे कोई भी कभी भी देख सकता है! और यह नियमों के विरुद्ध है!
पर किसी गवाह को जिंदा छोड़ना भी नियमों के विरुद्ध है।
चीं चीं चींऽऽऽचीं चीं चीं।
यह क्या? रात के समय चिड़ियों का विशाल झुंड!

ईयाऊ!!!
ये... मुझसे... आऊ... डर भी नहीं रही हैं!
चिड़िया यानी भईया को खबर... मिल गई है! वह आ रहा है!

और मुझ पर बेहोशी छा रही है!

धड़ धड़ धड़ धड़ धड़!
लो आ गया भईया! आज तो... चंडिका और श्वेता का भेद खुल कर रहेगा!
ओफ! कोई आ रहा है! और बाईक की यह आवाज बता रही है...

"...कि वह ध्रुव के अलावा और कोई हो ही नहीं सकता!"
चंडिका! कहां हो तुम?

ले...मर गई तू... चंडिका!
घबराना मत! मैं...
श्वेता!

श्वेता!
श्वेता!
पीऊंऽऽऽ पीऊंऽऽऽ पीऊंऽऽऽ
पीऊंऽऽऽ पीऊंऽऽऽ पीऊंऽऽऽ
घबराओ मत, रजनी, कुछ नहीं होगा श्वेता को!
AMBULANCE
I.C.U
श्वेता स्टेबल है, कमिश्नर! मगर पक्के तौर पर फिलहाल कुछ कहा नहीं जा सकता!
वह शॉक में है! खून काफी बह गया था! यूं समझें कि अभी वह हमारी निगरानी में है!

वह होश में तो है न?
होश में आने में समय लगेगा, मैडम! कम से कम 24 घंटे! तब तक हम उसे I.C.U. में ही रखेंगे!

ओ मेरी बच्ची! पर उसे ये चोटें लगी कैसे?
उसके होश में आते ही पता चल जाएगा! तुम...तुम यह सब चिंता मत करो!
I.C.U.

वैसे...आप में से कोई एक...सिर्फ एक...एक मिनट के लिए श्वेता को देखने जा सकता है!

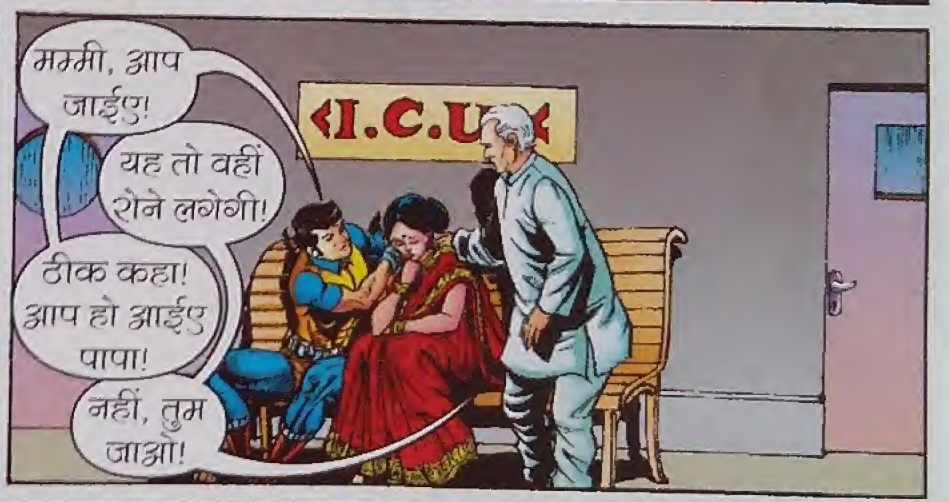
मम्मी, आप जाईए!
यह तो वहीं रोने लगेगी!
ठीक कहा! आप हो आईए पापा!
नहीं, तुम जाओ!
I.C.U.

"हम तो सिर्फ दुःखी हैं! पर मैं जानता हूं कि तुम्हें दुःख के साथ-साथ श्वेता को ना बचा पाने का अपराध बोध भी है! जाओ..."

"...जो भी तुम्हारे दिल में है, उसे श्वेता से बोल कर अपना दिल हल्का कर लो!"

पता नहीं, तू मुझे सुन सकती है या नहीं, पर मैं तो तेरी राखी की लाज पूरी तरह नहीं रख पाया, श्वेता! मैं आया तो था चंडिका की मदद को, पर घायल मिली तू! सच्चाई तो तेरे मुंह से भी सुनूंगा...

लेकिन एक वादा करके जाता हूं तेरे होश में आने से पहले तेरा गुनहगार सलाखों के पीछे होगा!

तेरी हालत देख कर इस बात का मुझे अफसोस हो रहा है कि मैं कानून को कभी तोड़ता क्यों नहीं! तोड़ूंगा तो आज भी नहीं!

पर तेरे शरीर से बहे खून के एक-एक कतरे का हिसाब लूंगा मैं!

ये सब क्या है, ध्रुव? ये हुआ कैसे? हमारा आवास तो C.C.T.V. और तीन स्तरीय सुरक्षा से लैस है!

कई ट्रिप अलार्म भी हैं! फिर कोई हमारे परिसर में घुस कर इतनी बड़ी वारदात कैसे कर गया?

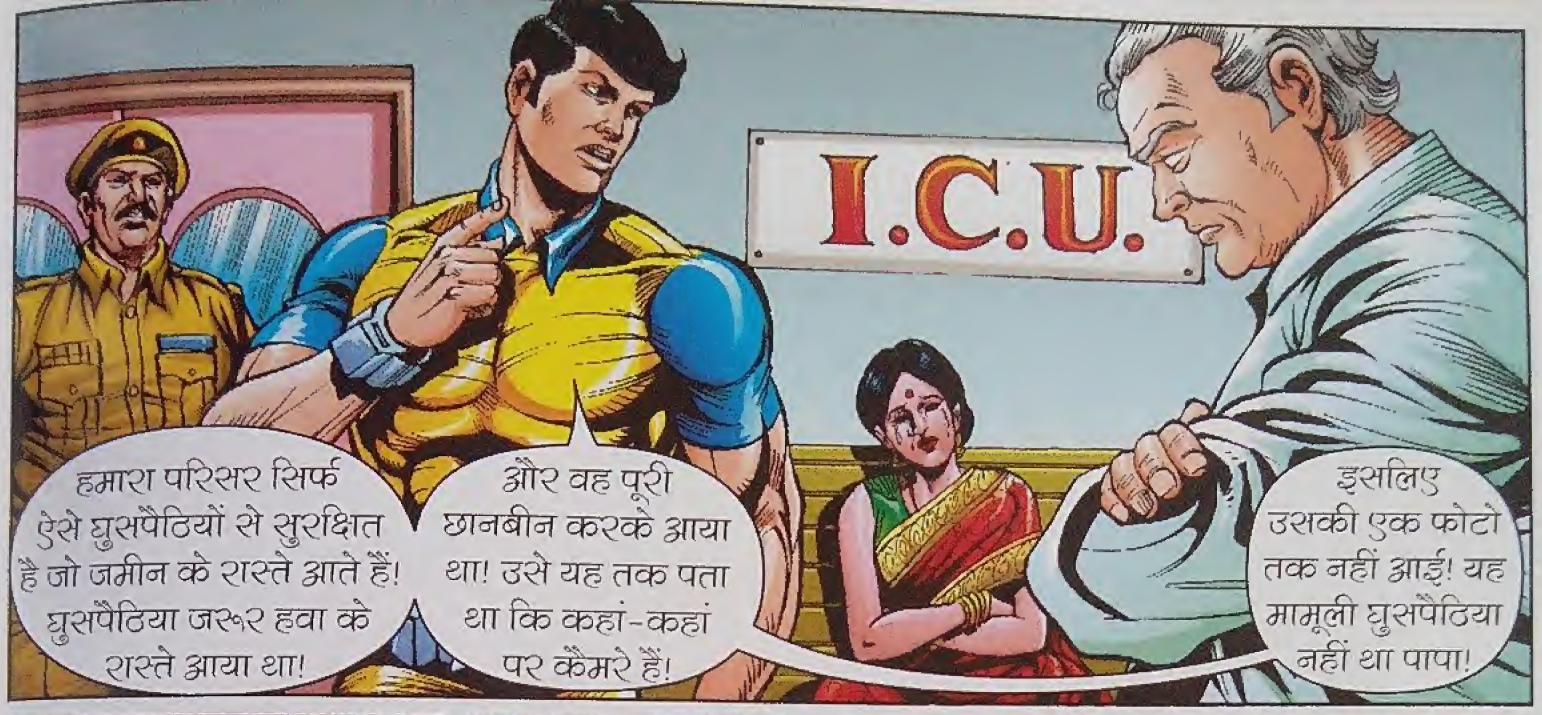
I.C.U.
हमारा परिसर सिर्फ ऐसे घुसपैठियों से सुरक्षित है जो जमीन के रास्ते आते हैं! घुसपैठिया जरूर हवा के रास्ते आया था!
और वह पूरी छानबीन करके आया था! उसे यह तक पता था कि कहां-कहां पर कैमरे हैं!
इसलिए उसकी एक फोटो तक नहीं आई! यह मामूली घुसपैठिया नहीं था पापा!

वह जो भी था तुम्हारे सर्कस के वेयरहाउस में क्या कर रहा था?
यही तो मैं भी सोच रहा हूं! वहां पर तो मेरे अलावा किसी के भी काम का कुछ भी नहीं है!
मुझे तो चिड़ियों ने चंडिका से किसी के मुठभेड़ की खबर बताई तो मैंने अपने पहुंचने से पहले चिड़ियों को उसकी रक्षा के लिए भेजा था!

अब चंडिका गायब कैसे हुई और श्वेता घायल कैसे हुई यह तो श्वेता ही बता सकती है!
अगर... श्वेता और चंडिका एक ही शख्स नहीं हैं तो!

श्वेता अगर चंडिका होती तो भला ऐसे पिटती?
तुम्हारा शक कभी दूर होगा भी या नहीं?
अब बताओ, तुम यहां रुकोगे या मैं रुकूं?
आज आपको ही रुकना पड़ेगा पापा!

"क्योंकि मुझे किसी और को भागने से रोकना है।"

"उस हमलावर को? उसकी तो किसी C.C.T.V. में फोटो तक नहीं है! फिर तुम उसे ढूंढोगे कैसे? और वह अब तक राजनगर में होगा क्यों?"
तुमसे इतने छोटे से काम में चूक की उम्मीद नहीं थी, उलूक!
मुझसे चूक नहीं हुई, यक्ष! मैंने काम पूरा कर लिया था! वांछित वस्तु वहां पर नहीं थी!
मैंने एक्स रे और इन्फ्रा रेड तक से छानबीन की थी!
हम उस चूक की बात नहीं कर रहे हैं! वह लड़की अब तक जिंदा है!
उसकी चिंता न करें! उसका बचना असंभव है!
उसका चेहरा तो मैं नहीं देख पाया पर उस घर से एक एम्बुलेंस सरकारी अस्पताल जरूर पहुंची है!
मैं यहां से दस किलोमीटर की दूरी पर अस्पताल को देख सकता हूं!
वह जरूर आई.सी.यू. में होगी! मैं यहां से बैठे-बैठे पूरा आई.सी.यू ही उड़ा दूंगा!
तो जल्दी कर!
तू उस लड़की की जबान ग्रेनेड लॉन्चर से हमेशा के लिए बंद कर!
हम जेकब को चुप करने का काम शुरू करते हैं!
ये चिड़ियाएं बीच-बीच में आकर मेरा निशाना बिगाड़ रही हैं!

पर इतनी ऊंचाई पर चिड़ियों का ये झुंड...अरे!
य...यह असंभव है!
चि...चिड़ियों में इतनी ताकत कि ग्रेनेड लांचर को उठा कर मुझ पर तान दें! असंभव!
सही समझे! वैसे तुम्हारा दिमाग...
...उल्लू के हिसाब से काफी तेज है! यह गन स्टार लाइन के सहारे अटकी है! इसे मैंने ही खींचा था!
पर अब यह उनके पंजों में है जिनको तुमने काफी घाव पहुंचाए हैं!
तुमने मुझे ढूंढ़ निकाला!

ओह! मैं कुछ ज्यादा जल्दी तारीफ कर बैठा! मैंने कहा था कि तुमने इन चिड़ियों को घाव पहुंचाए हैं!
ये तबसे तुम्हारे पीछे लगी थीं!
अब पूछूंगा मैं...
...और बताओगे तुम! किससे ऑर्डर ले रहे हो तुम? किसने भेजा है तुम्हें और क्यों?
इससे पहले कि चिड़ियों के नादान पंजों से कोई हादसा हो जाए, सच उगल दो! वर्ना तुम्हारे मालिक तुम्हें इस लोक में रहने नहीं देंगे...
और मैं तुम्हें परलोक जाने नहीं दूंगा! उफ्फ!
शिकार, शिकारी को धमकी नहीं देते!
यह प्लान में तो नहीं था! अच्छा ही हुआ कि तू खुद ही मेरे सामने आ गया!
अब मेरा अभियान यहीं पर पूरा हो जाएगा!
और मुझ पर लगा चूक करने का कलंक भी धुल जाएगा!
ओफ! मुझे यकीन होता जा रहा है कि यह कुशल हत्यारा होने के साथ-साथ अनुभवी फाईटर भी है! पर ये है कौन?
यह खुद तो कुछ बताएगा नहीं!

इसलिए मुझे इसके मालिकों को जानने के लिए इस लैपटॉप को हासिल करना पड़ेगा!
तू लैपटॉप चाहता है!
पर सॉरी! अभी इसपर मेरी चैट जारी है!
और जिस ग्रेनेड लांचर का डर तू मुझे दिखा रहा है वह सिर्फ मेरे फिंगर प्रिंट्स से अनलॉक होता है!
उस लड़की के बदन से तो सिर्फ खून ही निकाला था!
आह!
MERC CRANES
पर तेरे तो फेफड़ों से मैं मांस ही निकाल लूंगा!
उलूक ने ध्रुव की आंखों में खून उतरवा दिया!
श्वेता के बदन से रिस्ते खून की याद दिलाकर...

अब तक क्रोध के जिस लावे को ध्रुव के सब्र की चट्टान ने दबा रखा था, वह टूट गई थी!
तेरी खैरियत इसी में थी कि तू चुपचाप मेरे सवालों के जवाब देते जाता!
पर अब मुझे लगता है कि तेरी जबान तभी चलेगी जब तेरा बाकी शरीर हिलना बंद हो जाएगा!
अब तो...इसके सामने...न मेरा कोई दांव चल रहा है और न ही पॉवर!
यह गुस्से से पागल हो रहा है! लेकिन फिर भी यह मुझ पर...
हावी नहीं...
ध्रुव की उस किक ने धारदार धातु को इलेक्ट्रिक ज्वाईंट का रास्ता दिखाया!
और एक जोरदार झटके से उलूक के दिमाग के सारे रास्ते बंद हो गए!

अब बताओ! उस कबाड़ में ऐसी क्या चीज है जिसके लिए तुम्हारे जैसे शातिर घुसपैठिए को भेजा गया? यहां पर आते वक्त आज दिन में दूसरी बार मैंने जैकब का जिक्र सुना था! क्या तुम उस वेयरहाउस में जैकब अंकल से सम्बंधित चीज ढूंढ रहे थे?
बोलो! क्या संबंध है जैकब अंकल का इस पूरे मामले से?
बताओ! वर्ना आज मैं अपने ही कुछ नियम तोड़ने के मूड में हूं!
मैं शातिर हूं यह बात तुम सिर्फ कह रहे हो!

अगर दिल से मानते...

...तो इस परिस्थिती के लिए ...

...तैयार रहते!
ओफ्! लगता है इसने कैबिन के कब्जों में बम लगा रखे थे। एक कब्जा टूट चुका है। दूसरा कभी भी टूट जाएगा।

तुम अब तक मामूली दुश्मनों से उलझते आए हो! तुम्हें अंदाजा नहीं है कि इस बार तुमने किससे टक्कर ली है!
वैसे तुम्हारे बारे में कहानियां तो बड़ी सुनी हैं हमने! मौत के मुंह से ऐसे निकल आते हो जैसे सुरसा के मुंह से हनुमान!
अब बताओ ग्रेनेड तुम पर छोड़ूं या अस्पताल के I.C.U. पर?
यह हुई गन एक्टिवेट!
...और यह दबाया मैंने...
और क्रेन घूम कर टकराई तुम्हारे सिर से!
आह!!
गन छूट गई!
SIEVE CONTROL
क्रेन को खींचने वाला लीवर...
खट

और उधर केबिन का दूसरा कब्जा भी टूट गया।
ओ गॉड! इस केबिन की फैस्निंग्स टूट गईं!
और गन एक्टिवेट है। अब गन किसी भी वक्त चल जाएगी!
और यह ग्रेनेड ना जाने कहां जाकर टकराएगा...
...और...
ओफ! यह क्या कर बैठा वह उल्लू? उसके कुछ उगलने से पहले मौत उसे निगल गई!
और अब मौत मेरे पीछे पड़ी है! स्टार लाइन छोड़ने का समय नहीं है...
इधर गन गिरी।
गन चल गई! और...और यह ग्रेनेड सीधा मेरी ओर आ रहा...

क्योंकि सबसे पहले तो यह लैपटॉप बचाना है मुझे!
फिर अगर समय रहते इस गिरते केबिन की छत पर चढ़ कर...
...इस रेत के ढेर पर कूद सकूं...
...तो खुद को भी बचा सकता हूं और इस कीमती लैपटॉप को भी!

स्क्रीन ब्लैंक है! पता नहीं यह चलेगा भी या नहीं!
पर इस गुप्त स्थान पर कई कब्रें खुद चुकी थीं!
यह सिरदर्द बढ़ेगा! खतरनाक है! संपर्क में रहने का कोई और तरीका निकालना पड़ेगा!
उलूक गया! यकीन नहीं होता! हमारा इतना अनुभवी ऑपरेटिव ऐसे मारा गया!
पर अगर इसमें उलूक के आकाओं का एक भी लिंक सलामत है तो करीम एंड पार्टी उसको खोद निकालेगी!
ध्रुव अभी खोजबीन शुरू कर रहा था!
मरा तो वह खुद, पर कारण ध्रुव ने पैदा किए थे!
कहीं अब वह लैपटॉप हमारे मरने का कारण ना बन जाए!
मौत का कारण तो बनेगा वह लैपटॉप...
"...लेकिन किसकी, यह तो वक्त ही बताएगा!"
"कुछ तो करना ही पड़ेगा! उलूक ने एक मामूली से ऑपरेशन को एक बड़ी आफत में बदल दिया है!"
"सारा प्लान उल्टा-पुल्टा हो गया है! अब ध्रुव का क्या करना है?"
"ध्रुव अगर जिंदा रहा तो हमारा ऑपरेशन अधूरा ही रह जाएगा!"
"और यह हमारे अंत की शुरुआत होगी!"

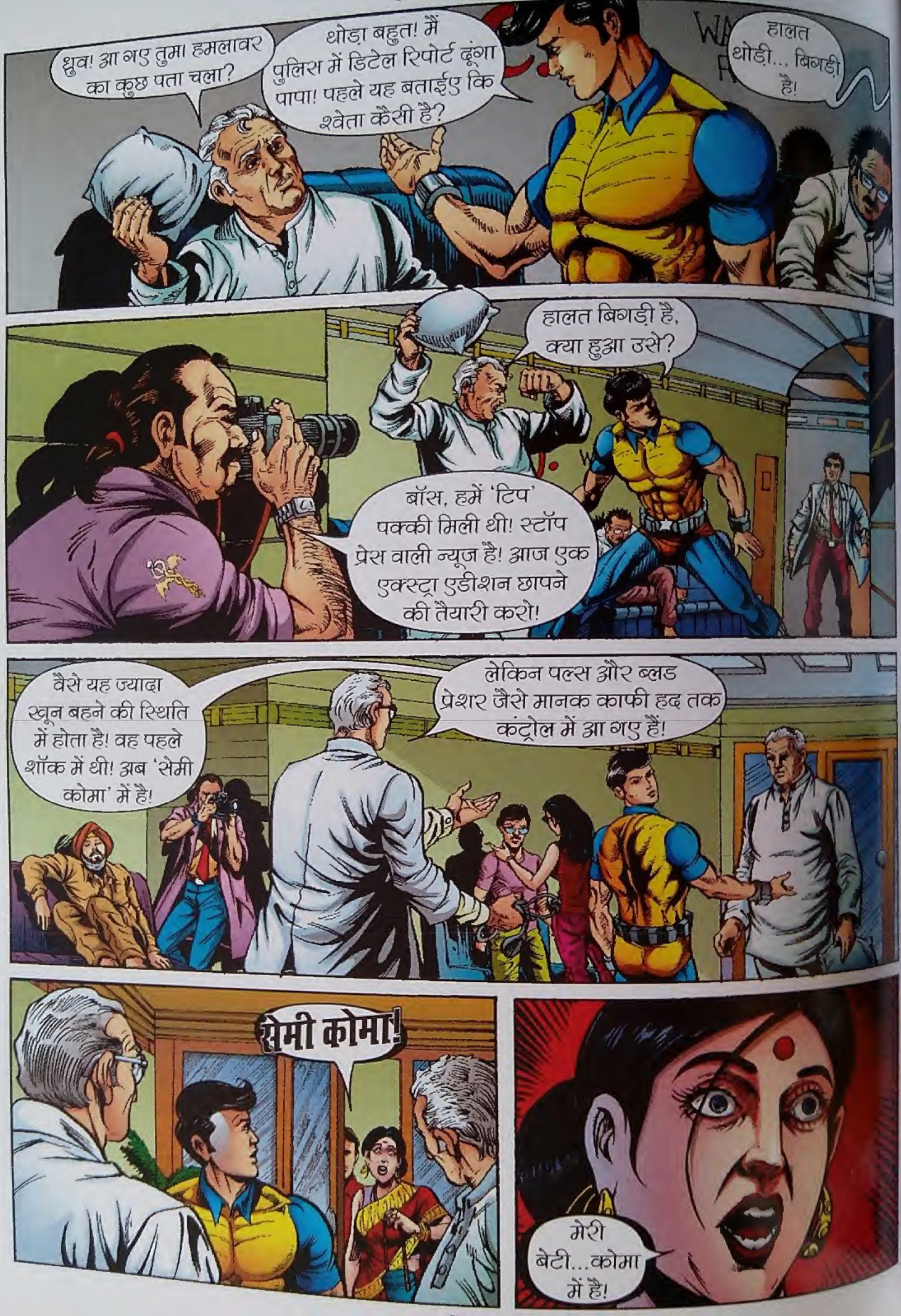
ध्रुव! आ गए तुम। हमलावर का कुछ पता चला?
थोड़ा बहुत! मैं पुलिस में डिटेल रिपोर्ट दूंगा पापा! पहले यह बताईए कि श्वेता कैसी है?
हालत थोड़ी... बिगड़ी है!
हालत बिगड़ी है, क्या हुआ उसे?
बॉस, हमें 'टिप' पक्की मिली थी! स्टॉप प्रेस वाली न्यूज है! आज एक एक्स्ट्रा एडीशन छापने की तैयारी करो!
वैसे यह ज्यादा खून बहने की स्थिति में होता है! वह पहले शॉक में थी! अब 'सेमी कोमा' में है!
लेकिन पल्स और ब्लड प्रेशर जैसे मानक काफी हद तक कंट्रोल में आ गए हैं!
सेमी कोमा!
मेरी बेटी...कोमा में है!

कोमा नहीं मैडम, सेमी कोमा!
आप...आप... इतनी चिंता न करें मम्मी! श्वेता ठीक हो जाएगी! मैं...मैं जानता हूं उसे!
आप घर जाईए!

नहीं, तू घर जा!
मैं संभाल लूंगी श्वेता को!

जाकर देख पहले जुपिटर सर्कस के कबाड़घर में कि वहां पर ऐसा क्या है...
...जिसने मेरी बेटी का इतना खून बहा दिया!
यह तुम ध्रुव से कैसे बात कर रही हो रजनी? इसमें... इसमें इसकी क्या गलती है!

गलती इसमें नहीं तो इसके अतीत में तो है! क्या है इसके अतीत में ऐसा जिसे हम नहीं जानते? मैं तो बस उसे वही ढूंढने को कह रही हूं!
आप लोग घर जाइए! मैं.. मैं संभाल लूंगी यहां पर!

मुझे तो लग रहा था कि सिर्फ श्वेता के घायल होने की न्यूज ब्रेकिंग है!
पर इसमें तो फैमिली महाभारत का तड़का भी है!
हंगामी न्यूज बनेगी!
तुम्हारी मां अभी जरा....सदमे में है, ध्रुव! ऐसा उसने पहली बार देखा है!
उसकी बातें दिल पर मत लेना!
नहीं, पापा! मां की बात का कोई बुरा मानता है भला!
श्वेता की हालत पर उनसे ज्यादा गुस्सा तो मुझे आ रहा है!
और यह भी तो सच है कि श्वेता ने उनकी कोख से जन्म लिया है!
उसके लिए उनका इतना तड़पना एकदम स्वाभाविक है!
ऐसा मैंने कब कहा पापा?
ध्रुव!
यानी जिसने उसकी कोख से जन्म नहीं लिया उसके लिए उसके दिल में कोई तड़प नहीं है!
ओ रिचा! तुम... यहां पर!
श्वेता के बारे में सुना तो मुझसे रहा नहीं गया!
एक मिनट!

पापा, आप चलें! मैं तो वैसे भी कमांडो हेड-क्वार्टर से होता हुआ आऊंगा!
नमस्ते अंकल!
और इसका जिम्मेदार, ध्रुव कहीं न कहीं, खुद को ही मान रहा था।
...और जब मैं वहां पहुंचा तो श्वेता घायल पड़ी थी!
हमलावर का कोई सुराग?
अ...वह जानकारी मैं पहले पुलिस को दूंगा। उसका खुलासा करना या न करना उनके ऊपर है।
पर तुम्हें इस बारे में पता कैसे...
हां, बताओ! तुम्हें यह खबर किसने दी?
वह छोड़ो! यह बताओ कि श्वेता कैसी है?
श्वेता की नाजुक हालत ने वर्षों के खुशहाल माहौल में कड़वाहट घोलनी शुरू कर दी थी।
तुम्हारी तो सुई ही अटक गई है। अरे बाबा, मैं इसी हॉस्पिटल में रेगुलर आती हूं ट्रीटमेंट लेने।
आज बंदोबस्त ज्यादा देखा तो मैंने एन्क्वायरी की! मेरे भी जानकार हैं यहां पर। उन्होंने यह गुप्त जानकारी मुझे दे दी।
ओ.के.! उम्मीद है कि तुम सच बोल रही हो।

"और उनसे निष्कर्ष निकालने की!"
KING'S CROSSING
यह क्या हो गया है तुम्हें?
कुछ नहीं! बस, शायद आदत है मामले की तह तक पहुंचने की! सुबूत तलाशने की...
करीम! कुछ पता चला!
नो कैप्टेन! इस लैपटॉप का ऑपरेटिंग सिस्टम हमारे किसी भी सिस्टम से मेल नहीं खाता!
इसकी हार्ड डिस्क खोलकर डाटा निकालना होगा।

कहां पर हो कैप्टेन?
करीब आधा किलोमीटर दूर। मुझे कमांडो हैडक्वार्टर नजर आ रहा है।
तब तो तुम्हारे आने तक शायद कुछ सुबूत हाथ लग ही जाएंगे।
पिंगलिंग पिंगलिंग पिंगलिंग
एक मिनट...
फोन बज रहा है! मैं देखता हूं! होल्ड रखना।
यह क्या है? कोई नंबर ही नहीं दिख रहा है।

...सिर्फ 'डेंजर' का साइन दिखा रहा है!
कहीं यह... ओ माई गॉड! करीम!! वह लैपटॉप 'बूबी-ट्रैप्ड' है!
तुम सब तुरंत वहां से...
बाहर निकलो!
ओ गॉड!! करीम!!
बड़ाऽऽऽऽम!!

यह हो क्या रहा है? पहले श्वेता और अब कमांडो फोर्स के साथ-साथ कमांडो हेडक्वार्टर भी!!
करीम! करीम!! आवाज दो। कहां हो तुम?
करीमऽऽ!
कैप्टेन!
हम यहां पर हैं।
तुम बच गए! थैंक गॉड!
गॉड को नहीं, उस कॉलर को थैंक्स दो जिसने हमको ऐन समय पर चेतावनी भेज दी!...

और हम 'फर्श' में बने 'ट्रैप जेक' से नीचे बेसमेंट में कूद गए और धमाके से सुरक्षित हो गए!
कहां से आया है यह मैसेज?
LEAVE
यह अंदाजा तो मुझे फोन पर तुम्हारी बात सुन कर ही हो गया था! कहां है वह मैसेज?
यह देखो कॉल के साथ में मैसेज भी था!
कोई नंबर नहीं था! किसी 'एन-क्रिप्टेड लाईन' से भेजा गया लगता है।
यानि... कोई हमें बचाने की कोशिश कर रहा है और उसे दुश्मन की हर हरकत के बारे में भी पता है!
कैप्टेन, इधर आओ! मलबे के नीचे कुछ कैडेट्स फंसे हुए हैं।
कुछ ही पलों बाद-
शुक्र है सिर्फ दो कैडेट हैं। ये मामूली घायल हैं! एंब्युलैंस निकालो!
एंब्युलैंस हम लेकर आए हैं। इन्हें अस्पताल हम पहुंचा देंगे।
आप लोगों को यह जगह खाली करनी पड़ेगी। हमें यह जगह सील करके धमाके की जांच करनी है।
यह...आप क्या कह रहे हैं, इंस्पेक्टर? हमारे पास कमांडो हेड-क्वार्टर ऑपरेट करने की स्पेशल स्टेट अथॉरिटी है।

हम अपने मामले की जांच खुद करना चाहते हैं। पर आपको हम पूरी रिपोर्ट जरूर देंगे!
हमें यह आतंकवादी कार्य वाही लगती है।
और ऐसे मामलों में हम ऐसी हर अथॉरिटी को निरस्त कर देते हैं।
पुलिस हैडक्वार्टर्स, राजनगर।
यह सब क्या हो रहा है, पापा?
मैं... अभी कमिश्नर हूं!
सॉरी, सर! हमारी कमांडो फोर्स पुलिस के काम में दखल नहीं देती बल्कि सहयोग देती है।
हम पूरी रिपोर्ट पुलिस को देकर आपकी मदद करते हैं।
फिर हमारी स्वायत्ता को निरस्त क्यों किया जा रहा है?
राजन मेहरा
क्योंकि सुबूत तुम्हारी कहानी को सपोर्ट नहीं करते!
कैसे सुबूत?
हम सिर्फ इतना जानते हैं कि राजनगर के पुलिस कमिश्नर के हाई सिक्योरिटी निवास में उनकी बेटी पर कातिलाना हमला हुआ है।
घटनास्थल पर सिर्फ एक दूसरा शख्स था। तुम!

यानि आप... मुझ पर शक कर रहे हैं!

फिलहाल हम तुम्हें एकमात्र गवाह मान रहे हैं।
गवाह!! लेकिन आपके कहने से लगता है कि आपको मेरी गवाही पर शक है।
तुम्हारे अनुसार तुम्हारे पास 'चिड़ियों' द्वारा मैसेज आया, चंडिका की किसी के साथ लड़ाई होने के बारे में!
इसकी हम न तो चिड़ियों से पुष्टि कर सकते हैं, और ना ही चंडिका का पता है हमारे पास!
श्वेता होश में आते ही इसकी पुष्टि कर देगी।

इसीलिए तब तक हम तुम पर कोई आरोप भी नहीं लगा रहे हैं। न चंडिका का पता है, न हमलावर की किसी भी C.C.T.V. में कोई तस्वीर!
फिर तुम्हारे अनुसार एक निर्माणाधीन ईमारत में तुम्हारी उसी हमलावर से झड़प हुई!

वहां पर किसी धमाके की रिपोर्ट तो मिली है...
...पर वहां न तो कोई हमलावर मिला और ना ही कोई और सुराग!
हमलावर के चिथड़े ही उड़े थे उस शक्तिशाली विस्फोट में। वहां पर उसके कुछ न कुछ अवशेष जरूर होंगे! उसकी गन भी होगी वहां पर।
प्लास्टिक के कुछ टुकड़े जरूर मिले हैं। कहना मुश्किल है कि वह कोई गन थी।

फिर तुम्हारे अनुसार तुम्हें कोई लैपटॉप मिला। जो तुम जांच के लिए कमांडो हेडक्वार्टर ले गए। और उसमें विस्फोट हो गया!

अब तो उस लैपटॉप की पुष्टि भी नहीं हो सकती। उसको तुम पास के थाने में या यहां पुलिस हैडक्वार्टर में क्यों नहीं लाए?

क्योंकि सर, कमांडो हेडक्वार्टर में उसे जांचने के बेहतर साधन मौजूद हैं।

जो दुर्भाग्यवश हमारी पुलिस के पास अभी तक नहीं है।

और अगर मैं गलती से वह लैपटॉप यहां पर लाता तो इस हैडक्वार्टर का भी वही हाल होना था जो कमांडो हेडक्वार्टर का हुआ।

हम किसी भी बात को कानून के दायरे में ही रहकर देखते हैं।

और कानून कहता है कि ऐसे भयंकर धमाके की जांच पुलिस को ही करनी चाहिए!

MAPS OF INDIA

अगली रिपोर्ट आने तक कमांडो हैडक्वार्टर बंद रहेगा और पुलिस निगरानी में रहेगा!

नाऊ, इफ यू विल एक्सक्यूज मी...?

यह पापा को क्या हो गया है? पूरे सौ प्रतिशत कमिश्नर बन गए हैं।
ऑर्डर ऊपर से आया है। होम मिनीस्ट्री से! मेहरा सर इसमें क्या करेंगे?
होम मिनिस्ट्री!! यानि मामला गहरा रहा है!!
अब तो शुरुआत करने के लिए एक ही जगह बचती है।
करीम! इससे पहले की पुलिस वहां पर पहुंच कर सब कुछ सील कर दे, अपने सभी जरूरी वर्कस्टेशन्स को लेकर कमांडो हॉस्टल में शिफ्ट कर लो!
यह क्या कह रहे हो, कैप्टेन? यह तो... कानून को तोड़ने जैसा होगा।
कानून न टूटे इसीलिए ऐसा करना पड़ रहा है। जल्दी करो।
ओ.के. कैप्टेन!
और तुम्हारा पहला काम होगा उस अंजान चेतावनी कॉल की जांच करना!
मुझे वह लिंक किसी भी कीमत पर चाहिए!
तब तक मैं उस जगह को जांचता हूं। जहां से यह पूरा बखेड़ा शुरू हुआ है।
यहां पर ऐसा कोई न कोई सबूत जरूर मिलेगा। ओ... यह क्या?
यह तो शायद... नहीं! शायद नहीं, यह श्वेता का ही मोबाइल है।

THIEF IN THE BACKYARD
ALERT
और इस पर भी वैसा ही मैसेज है।
यानि श्वेता को भी एलर्ट आई थी। किसी को उलूक के यहां आने का पहले से ही पता था!
फिर श्वेता ने क्या किया? उसने चंडिका को बुलाया?... या फिर खुद चंडिका बन कर आ गई?
यह क्या है?
यह तो श्वेता का जान से भी प्यारा स्लिंग बैग है जिसे वह हमेशा लादे रहती है।
एक मिनट। श्वेता की हालत से साफ था कि उसके पास वक्त एकदम नहीं था। यानि अगर वह चंडिका से श्वेता बनी होगी तो चंडिका की ड्रेस यहीं कहीं आसपास होगी।
मोबाइल भी इसी में से गिरा होगा। देखूं कि...

...इसके अंदर और कोई सुबूत है...
क्या?
वह चंडिका की ड्रेस को फोल्डिंग पर्स बनाकर रखती थी।

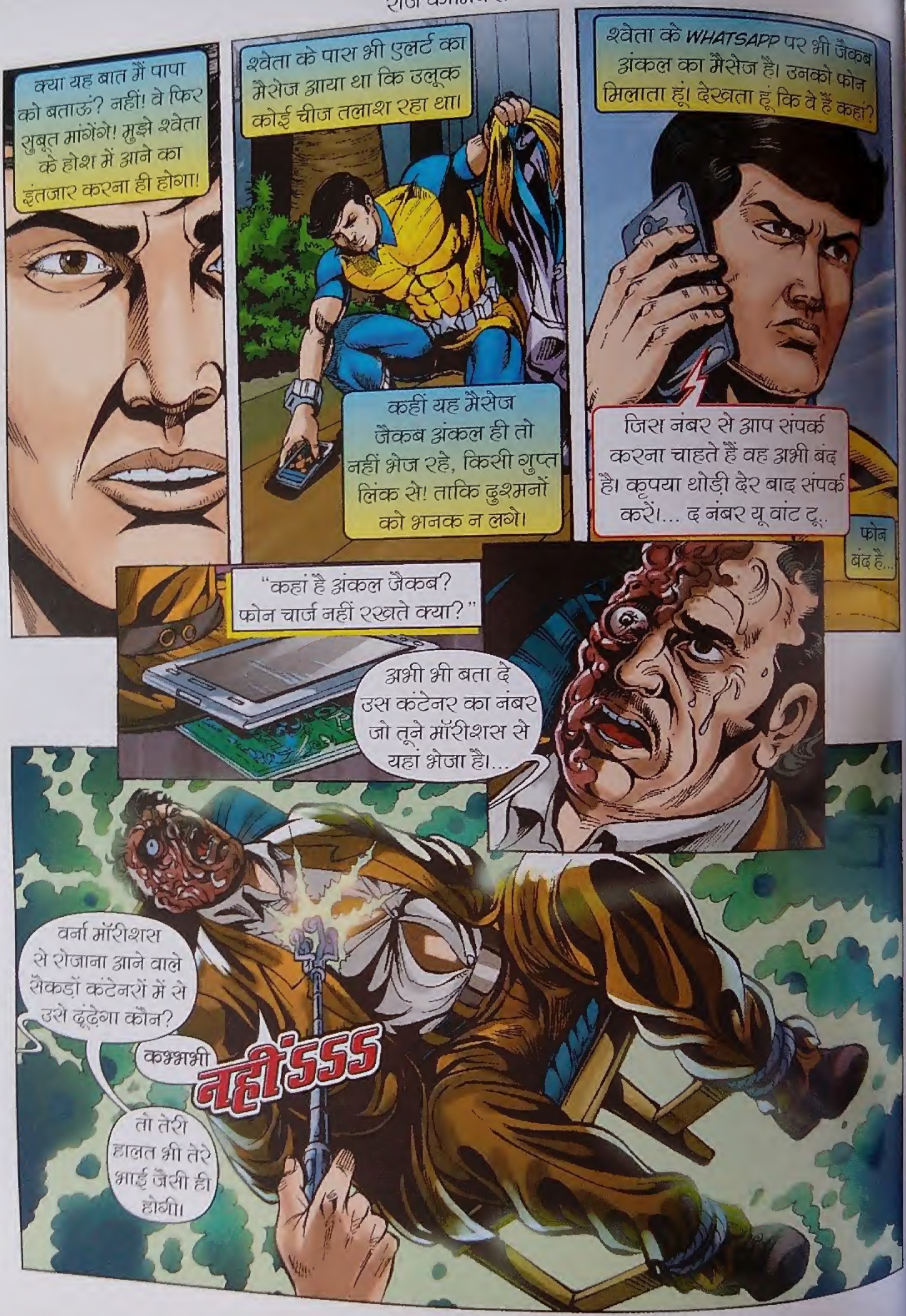

क्या यह बात मैं पापा को बताऊं? नहीं! वे फिर सुबूत मांगेंगे! मुझे श्वेता के होश में आने का इंतजार करना ही होगा!
श्वेता के पास भी एलर्ट का मैसेज आया था कि उलूक कोई चीज तलाश रहा था।
कहीं यह मैसेज जैकब अंकल ही तो नहीं भेज रहे, किसी गुप्त लिंक से! ताकि दुश्मनों को भनक न लगे।
श्वेता के WHATSAPP पर भी जैकब अंकल का मैसेज है। उनको फोन मिलाता हूं! देखता हूं कि वे हैं कहां?
जिस नंबर से आप संपर्क करना चाहते हैं वह अभी बंद है। कृपया थोड़ी देर बाद संपर्क करें।... द नंबर यू वांट टू..
फोन बंद है...
"कहां है अंकल जैकब? फोन चार्ज नहीं रखते क्या?"
अभी भी बता दे उस कंटेनर का नंबर जो तूने मॉरीशस से यहां भेजा है।...
वर्ना मॉरीशस से रोजाना आने वाले सैकड़ों कंटेनरों में से उसे ढूंढ़ेगा कौन?
कभ्भभी
नहींऽऽऽ
तो तेरी हालत भी तेरे भाई जैसी ही होगी।

भाई जैसी! मतलब?
ओह! यानि, वह मरा नहीं... मारा गया था। ओफ्!...और वह भी मेरी वजह से।

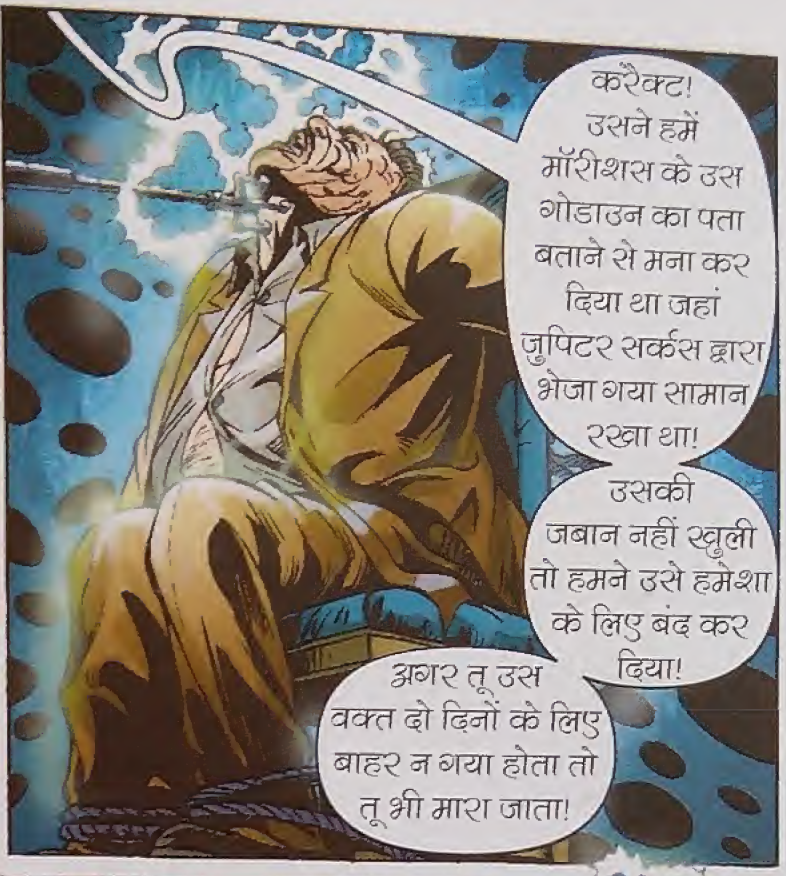
करैक्ट! उसने हमें मॉरीशस के उस गोडाउन का पता बताने से मना कर दिया था जहां जुपिटर सर्कस द्वारा भेजा गया सामान रखा था!
उसकी जबान नहीं खुली तो हमने उसे हमेशा के लिए बंद कर दिया!
अगर तू उस वक्त दो दिनों के लिए बाहर न गया होता तो तू भी मारा जाता!

अब तो मौत भी मेरी जबान नहीं खुलवा सकती! वह सारा सामान तो पहले से कंटेनर में ही रखा हुआ था। किसी गोदाम में नहीं!
पता नहीं तुम उस कबाड़ में ढूंढ क्या रहे हो? पर अब उस कंटेनर को लेना है...

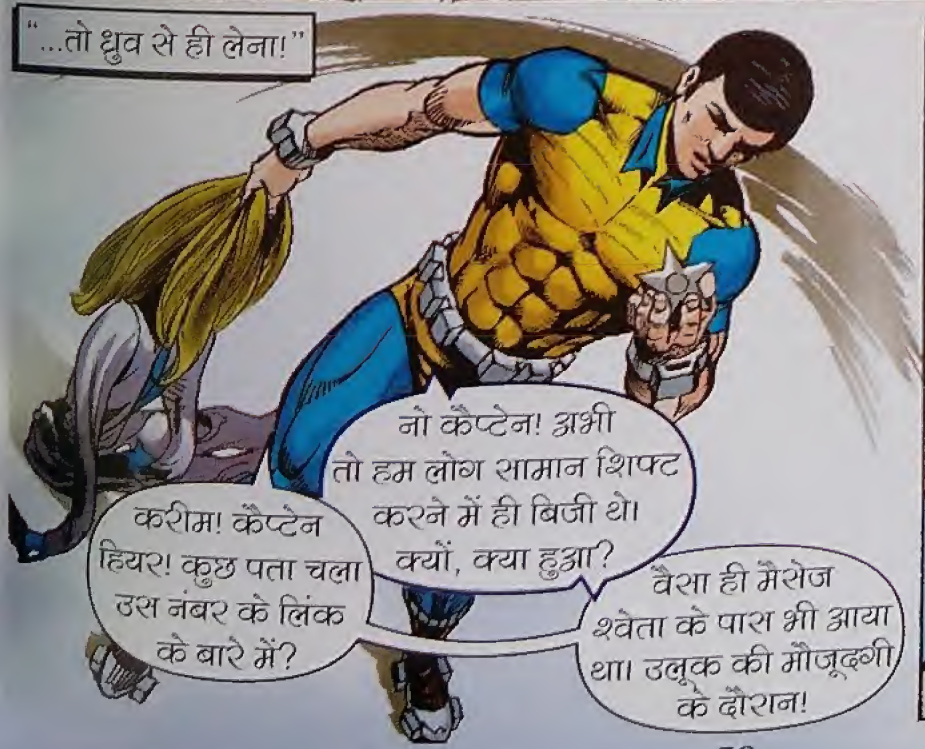
"...तो ध्रुव से ही लेना!"
नो कैप्टेन! अभी तो हम लोग सामान शिफ्ट करने में ही बिजी थे। क्यों, क्या हुआ?
करीम! कैप्टेन हियर! कुछ पता चला उस नंबर के लिंक के बारे में?
वैसा ही मैसेज श्वेता के पास भी आया था। उलूक की मौजूदगी के दौरान!

एक मिनट! मैं तुम्हें बाद में कॉल करता हूं।
किसी अंजान नंबर से कमांडो हेल्पलाइन पर फोन आ रहा है।

"गोदाम से! 'बमबम डेली' के गोदाम से!"
'बमबम डेली'! यह बी-ग्रेड अखबार तो मसालेदार और सनसनी खेज खबरें छापने के लिए मशहूर है!
कमांडो फोर्स हियर!
म...मुझे बचा लो! मैं... ऐसा फिर नहीं करूंगा!
व्हाट? आप कहां से बोल रहे हैं?
एक न एक दिन तो इन पर मुसीबत आनी ही थी!
यह अखबार ज्यादा बड़ा नहीं है और यह है ऑफिस के पीछे का हिस्सा! शायद इसीलिए यहां एकदम सन्नाटा है।
कहीं यह इसी षड्यंत्र का एक हिस्सा तो नहीं है।
BAMBAM DAILY
GODOWN 3
लेकिन किसी की जान बचाने की गुहार को नजर अंदाज भी तो नहीं किया जा सकता!
य...यह क्या है?

यह सब क्या है? कौन हो तुम?
उम्म... उम्म..उम्मम मम्म्!

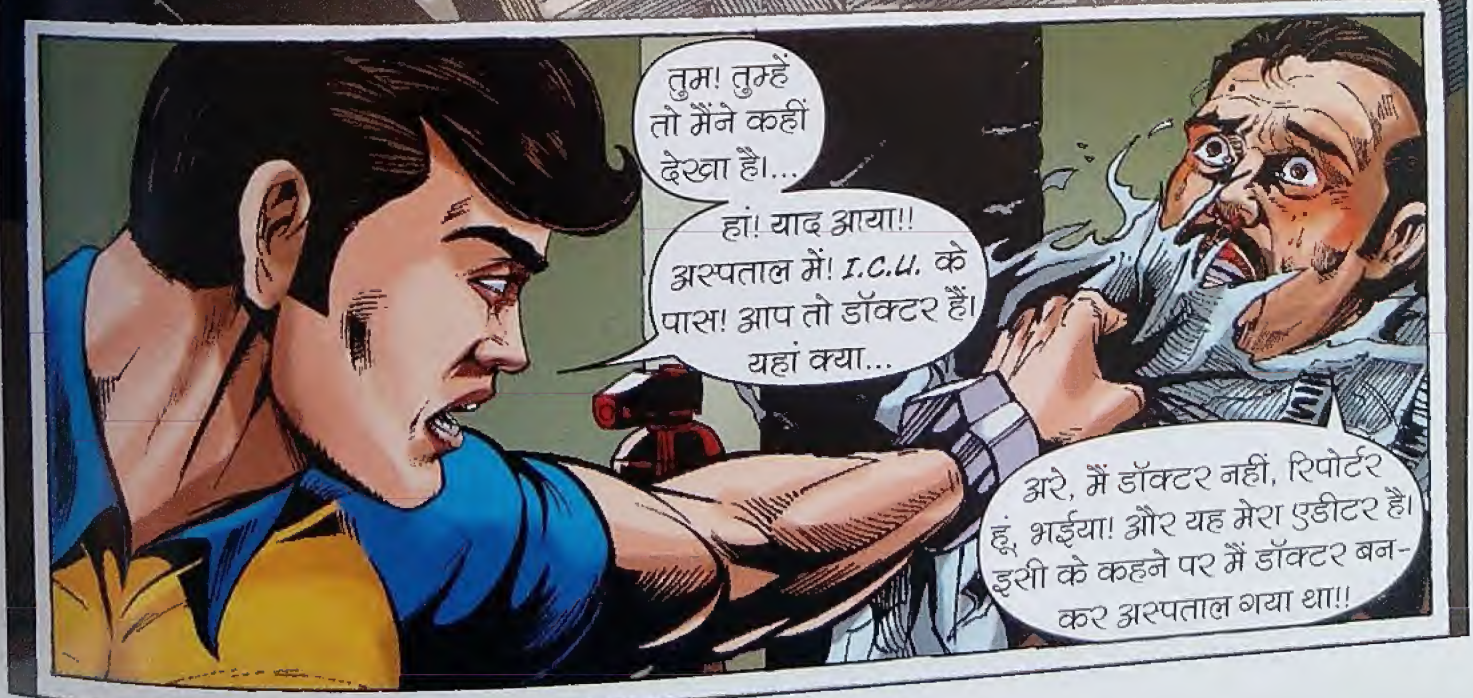
तुम! तुम्हें तो मैंने कहीं देखा है।...
हां! याद आया!! अस्पताल में! I.C.U. के पास! आप तो डॉक्टर हैं। यहां क्या...
अरे, मैं डॉक्टर नहीं, रिपोर्टर हूं, भईया! और यह मेरा एडीटर है। इसी के कहने पर मैं डॉक्टर बन-कर अस्पताल गया था!!

रिपोर्टर! पर.. तुम इस हालत में कैसे?
इनका अपराध जानना चाहते हो? जिन अखबारों के ढेर पर ये बैठे हुए हैं वह आज का स्पेशल एडीशन है। जरा एक प्रति को उठाकर पढ़ो।
यह...मशीनी आवाज कहां से आ रही है?
ओ गॉड! इसमें तो श्वेता के साथ-साथ मेरी पापा से हुई बातों का भी जिक्र है।
बोलने वाला कौन है? क्या कोई जाल फैलाया गया है मेरे लिए?
जाल तो फैलाया गया है। पेपर उठाकर पढ़ो! समझ जाओगे।
कमिश्नर की बेटी
अस्पताल में ; हालत गं
ध्रुव को कमिश्नर की लताड़;घर में
इस हादसे का जिम्मेदार ध्रुव को मानते हुए उसे लताड़ा है। यहां पर हम आपको याद दिला दें कि कुछ साल पहले राजनगर में हुए जुपिटर सर्कस हादसे के बाद कमिश्नर राजन और उनकी पत्नी ने ध्रुव को गोद ले लिया था! इस बात की प्रबल संभावना है कि अब वे शायद ध्रुव से अलग हो जाएं।
यह सब तुमने क्यों छापा?
मैं गया तो था सिर्फ श्वेता की फोटो खींचने। पर वॉर्ड से आगे नहीं बढ़ पा रहा था। तभी आप दोनों की बातें मुझे सुनाई पड़ीं।
तो मैंने इनको ही ब्रेकिंग न्यूज बना दिया। पापी पेट के लिए!

सिर्फ तेरा पेट पापी नहीं है। तू पूरा ही पापी है!
और पाप की चिता को जलाना मुझे बचपन से आता है...
नताशा
भगवान तुम्हारी आत्माओं को कभी शांति न दे।
ईईईई! यह हमें मार डालेगी। बचालो!! हमें बचा लो।
चुप रहो!
अगर इसे तुम्हें मारना ही होता, तो यह तुम्हें कमांडो हेल्पलाइन का नंबर मिलाने तक का वक्त नहीं देती।
वैसे तुम इस पचड़े में कैसे फंस गईं?
फूऽऽऽ! मैं रिपोर्टर भी हूं डी!
डी?
ध्रुव! शॉर्ट फॉर्म! नई लैंग्वेज है!

हां, तो इन मूर्खों ने सुबह-सुबह मुझे फोन कर दिया, तुम्हारे बारे में कुछ अंतरंग जानकारियां लेने को। और मुझे पता चल गया कि ये सस्ती लोक -प्रियता के चक्कर में तथ्यों को मिर्च मसाला लगाकर परोस रहे हैं।
श्वेता की खबर देने तक तो फिर भी ठीक था। लेकिन घर तोड़ने वाली अफवाहें फैलाना...
यह सच है, नताशा! हमारे बीच में बहस तो हुई है। तेज बहस!
हमारे मतलब?
मेरे... और पापा के बीच में। अगर रिचा न आई होती तो बात और बढ़...
रिचा!
व...वह तुम्हारी बीमार दोस्त! वह वहां क्या कर रही थी?
वह श्वेता की भी दोस्त है। उसे देखने आई थी। खैर, छोड़ो उसे!
इन्हें जाने दो और पेपर भी डिस्ट्रिब्यूट होने दो!
एक मिनट! इन्हें श्वेता के घायल होने की खबर दी किसने?
क्लिक
हम..हमारे पास फोन आया था! तो.. मैंने..अपने रिपोर्टर को...
कोई और रिपोर्टर तो वहां नहीं पहुंचा!
फोन!! मैं शर्त लगाकर कह सकती हूं कि यह काम रिचा बीमार का ही होगा!

पर.. आवाज तो किसी आदमी की थी।
आदमी!!
यानि... वह रिचा नहीं थी!

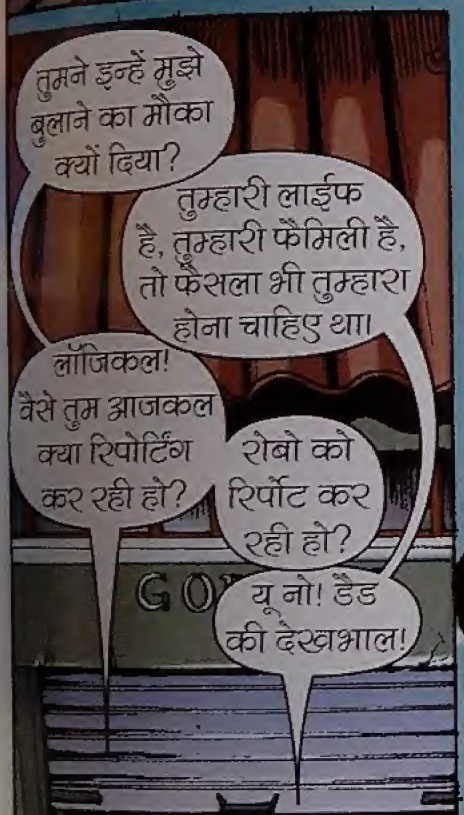
तुमने इन्हें मुझे बुलाने का मौका क्यों दिया?
तुम्हारी लाईफ है, तुम्हारी फैमिली है, तो फैसला भी तुम्हारा होना चाहिए था।
लॉजिकल! वैसे तुम आजकल क्या रिपोर्टिंग कर रही हो?
रोबो को रिर्पोट कर रही हो?
यू नो! डैड की देखभाल!

कैसे?
और उसके बिजनेस की देखभाल भी! है न? वैसे तुमने यह नहीं पूछा कि श्वेता इस हालत में पहुंची कैसे?

कभी उलूक नाम सुना है?
उलूक?..न.. न.. कभी नहीं! कौन है वह?
श्वेता पर हमला करने वाला कोई हाई टेक पेशेवर अपराधी!
असंभव! ऐसे किसी को हम न जानें यह हो ही नहीं सकता!

चलो छोड़ो! यह बताओ, कि तुम इतनी जल्दी राजनगर कैसे आ पहुंची? क्या तुम राज-नगर में पहले से ही थीं?
नताशा कुछ ही देर में कहीं से कहीं पहुंच सकती है! मुझे डोरी पर झूल कर जाने की आदत नहीं है।
बोलो! श्वेता को देखने जाना है? लिफ्ट चाहिए?
ऊहूं!

बाय, नाशुकरे!

हुम्म! नताशा का ऐसे एकाएक आ टपकना क्या सिर्फ संयोग है?

वैसे मुझे लगा कि वह कुछ चौंक रही थी। कहीं एलर्ट मैसेज भेजने वाला शख्स नताशा ही तो नहीं। उसके पास दोनों नंबर भी हैं!!

फिलहाल तो मेरे पास करीम के फीडबैक के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा है।

अगर वह कुछ बता सका तो ठीक वरना इंतजार ही करना होगा।

वह एलर्ट वाला मैसेज नेट से भेजा गया था, कैप्टेन! सर्वर का एड्रेस तो पता ही नहीं चल रहा है, लेकिन लोकेशन इंडिया की ही है!...

पिन प्वाइंट करने में टाईम लगेगा!

हम्म! और कुछ?

हां! अंकल जैकब के फोन की लास्ट लोकेशन मॉरीशस की है। उसके बाद से फोन बंद है।

अंकल जैकब! यस! हमारे पास एक लीड तो है, करीम।
कौन सी लीड?
...कंटेनर की!...
अस्पताल में; हालत गंभीर
"...जो जैकब अंकल ने मॉरीशस से मुझे भेजा है।"
श्वेता का अब क्या करना है? कोई दूसरा ऑपरेटिव भेजें?
अगर उसे मारने से ध्रुव पर पीछे हटने का प्रेशर पड़ता तो हम जरूर मार देते उसे!
पर अब स्थिति बदल गई है! ध्रुव अपने परिवार से नाखुश है!
अब लगता नहीं है कि उसके परिवार को मारने की धमकी देकर हम उसे रास्ते से हटा सकते हैं।
अब बस एक आखिरी रास्ता है, ध्रुव से पहले उस कंटेनर तक पहुंचना!
काश, यह जैकब हमारे हाथ लग जाता तो...
उस कंटेनर के बारे में ध्रुव को जरूर पता होगा कंटेनर उसी के नाम से भेजा गया है!

ध्रुव के पास हर इंफॉर्मेशन या कॉल उसके कमांडो हेडक्वार्टर के जरिए आती है।
मैंने वहां का पूरा डाटा चैक कर लिया है। जैकब की कोई कॉल या मैसेज उनके पास नहीं आया था।
वह कंटेनर की तलाश में राजनगरपोर्ट जरूर जाएगा। कंटेनर छुड़ाएगा वह पर लाएंगे हम!
मेरी मानो तो इस मामले के लिए...
"...गिलीगिली को कराची ऑपरेशन से वापिस बुला लो!"
पर अगर कंटेनर ध्रुव को लेना है तो उसकी रसीद या कोई और नंबर ध्रुव के पास होगा ही होगा!
ध्रुव पर नजर रखो!
तेरी कसम जरूर पूरी होगी गिलीगिली!
तू अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी ताबूत तक पहुंचेगा जरूर, लेकिन लाश बनकर!
तू जानता नहीं था क्या कि वह I.S.I. की सुरक्षा में है?

निश्चित रहें, जनाब कसाई! आपका हमलावर मारा गया है। हम इसे आपसे पहचान करवाने के लिए ला रहे हैं। ऐसे और भी हो सकते हैं।
आप बाहर न आएं।
सही सलाह! ले आओ इसे
लाओ, लाओ! इसे जरूर उस देश की खुफिया एजेंसी ने भेजा होगा जहां पर मैंने सीरियल ब्लास्ट कराए थे। कोई और भी था इसके साथ?
नहीं, जनाब! मुकम्मल तलाशी ली जा चुकी है।
हैरत है! एक अकेले आदमी से इतनी उम्मीद लगाकर बैठा था हमारा दुश्मन मुल्क?
पर यह है कौन? गोलियां मार-मारकर इसका थोबड़ा ही गायब कर दिया है तुमने?

गिलीगिली नाम बता रहा था अपना! पर यह अकेला इंसान नहीं कयामत था, जनाब! न जाने क्या करता था कि हमारे सैनिक या तो जड़ से खड़े रह जाते थे, या एक दूसरे को ही गोली मार देते थे।
ठीक है! इसे ले जाओ और इसकी पहचान कराओ!

इसे ले जाओ, भाइयों। और ओ... फोन आ गया।
तुम लोग चलो, मैं आता हूं।

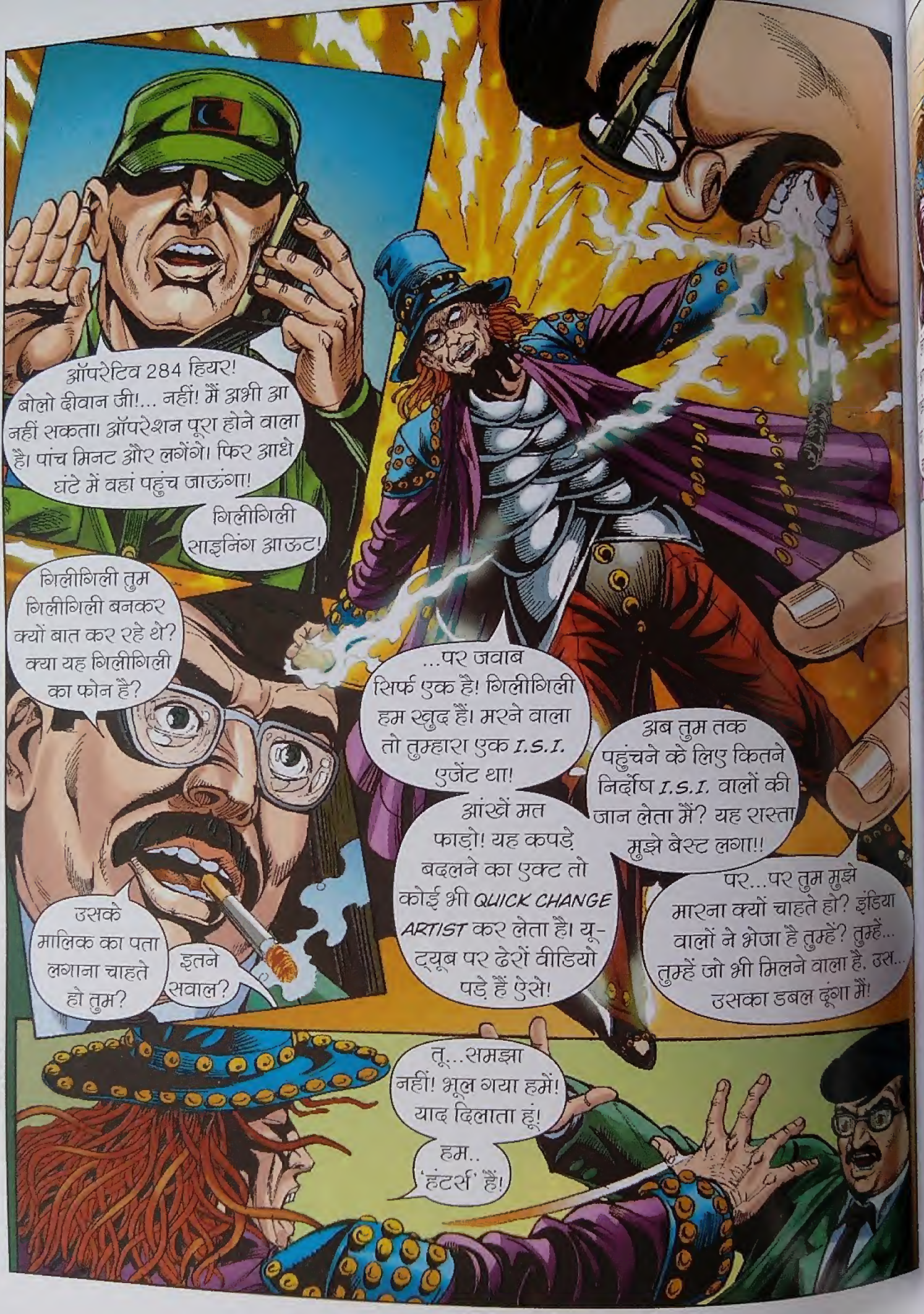
ऑपरेटिव 284 हियर! बोलो दीवान जी!... नहीं! मैं अभी आ नहीं सकता। ऑपरेशन पूरा होने वाला है। पांच मिनट और लगेंगे। फिर आधे घंटे में वहां पहुंच जाऊंगा!
गिलीगिली साइनिंग आऊट!
गिलीगिली तुम गिलीगिली बनकर क्यों बात कर रहे थे? क्या यह गिलीगिली का फोन है?
...पर जवाब सिर्फ एक है! गिलीगिली हम खुद हैं। मरने वाला तो तुम्हारा एक I.S.I. एजेंट था!
अब तुम तक पहुंचने के लिए कितने निर्दोष I.S.I. वालों की जान लेता मैं? यह रास्ता मुझे बेस्ट लगा!!
आंखें मत फाड़ो! यह कपड़े बदलने का एक्ट तो कोई भी QUICK CHANGE ARTIST कर लेता है। यू-ट्यूब पर ढेरों वीडियो पड़े हैं ऐसे!
पर...पर तुम मुझे मारना क्यों चाहते हो? इंडिया वालों ने भेजा है तुम्हें? तुम्हें... तुम्हें जो भी मिलने वाला है, उस... उसका डबल दूंगा मैं!
उसके मालिक का पता लगाना चाहते हो तुम?
इतने सवाल?
तू...समझा नहीं! भूल गया हमें! याद दिलाता हूं!
हम.. 'हंटर्स' हैं!

याद कर सीरियल ब्लास्ट करने के बाद तूने सबसे पहले हमें सुरक्षा के लिए बुलाया था! हमने तेरी जान को महीनों तक बचाए रखा।
लेकिन जब तू इंडिया से भागकर कराची आ गया तो तुझे लगा कि अब I.S.I. तुझे बचा लेगी। तूने हमें प्रोटेक्शन चार्ज देना बंद कर दिया!
पर हंटर्स से तुझे सिर्फ एक ही चीज बचा सकती है।...
केवल हंटर्स!
तू.. तू.. क्या समझता है? मुझे...मुझे मारकर तू बच जाएगा। यह पूरा कमरा दस C.C.T.V. कैमरों की निगरानी में है।
अब तक तुझे देखा जा चुका होगा। किसी भी सेकेंड सैनिक यहां पहुंचकर तुझे छलनी कर देंगे।
उनका ही तो इंतजार है मुझे। उन्होंने ही तुझे बचाने का जिम्मा लिया है।
शीशे में देख!
देख, वे क्या देखेंगे!

अरे... अरे... यह धोखा..
ब..बचाओ मुझे!
धोखेबाज! ... है!!!
आSSह!
मर गया...
थैंक्यू.. एंड बाय!
थैंक्यू! ...मेरा काम...
...करने के लिए!
यह था कौन?
शैतान की औलाद?

गिलीगिली का मैसेज तो आया था कि कराची तट से वह पांच मिनटों में यहां पहुंच जाएगा!
पर यहां तो दूर-दूर तक कोई बोट तो छोड़ो, चिड़िया तक नजर नहीं आ रही है।

क्योंकि चिड़िया शिप में आ चुकी है।
गिलीगिली!!
यार, तुम एक दिन हार्ट अटैक करवाओगे। यह तुम करते कैसे हो?

प्लानिंग और हिप्नोटिज्म! और बन गए तुम गिलीगिली! आसान है न?

"एकदम! अब चलो! लेट हुए तो कोई जादू काम नहीं आएगा। दीवान पर ऊपर से तगड़ा प्रेशर है!"
कैप्टेन! जल्दी आओ। कॉमन हॉल में।
हो क्या गया?
न्यूज में श्वेता का हेल्थ बुलेटिन आ रहा है।

श्वेता के घायल होने की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई है। यह हुआ कैसे?
बमबम डेली को किसी ने इसकी जानकारी दी थी। यह उनका काम है!
कोई अफवाह न फैले, इसीलिए हमने आधिकारिक बयान देने का फैसला किया है।
कुछ न्यूज चैनल्स ने तो श्वेता मेहरा की मौत की अफवाह तक उड़ा दी है, पर यह गलत है। श्वेता कोमा में हैं। उनके पैरामीटर्स अभी स्थिर नहीं हैं। वे खतरे से बाहर नहीं हैं। हम भरपूर कोशिश कर रहे हैं।
एस.एस.पी. साहब, यह कैसी कानून व्यवस्था है? जब कमिश्नर और ध्रुव तक का घर सुरक्षित नहीं है तो आम जनता का क्या होगा?
जांच जारी है। जल्द ही हम हमलावर तक पहुंच जाएंगे।

क्या यह न्यूज़ सही है कि इस हमले का कारण ध्रुव को माना जा रहा है। मेहरा फैमिली नाराज है ध्रुव से?
BREAKING NEWS
तो.. यह चक्कर है!!
अपना खून, अपना खून ही होता है, पीटर!
यह क्या कह रहे हो, कैप्टैन? परायों को अपना बनाना हमने तुमसे ही तो सीखा है।
क्या हम...तुम्हारे लिए पराए हैं? क्या हम तुम्हारे लिए खून बहाने में एक पल भी सोचेंगे?
नहीं! और वह इसीलिए रेणु...
क्योंकि हमने आपस में कभी कोई खून का रिश्ता बनाने की कोशिश नहीं की।
वर्ना...वह एक न एक दिन टूटता जरूर! और उसके साथ टूटते... हम सब!
खैर! करीम, कुछ कमांडोज को हॉस्पिटल पर नजर रखने के लिए भेजो!
जरूर! मैं जानता हूं कि तुम कुछ भी कहो लेकिन श्वेता का ध्यान रखने से तुम चूकोगे नहीं।

फिलहाल मैं अपने दुश्मनों तक पहुंचने का लिंक ढूंढ रहा हूं। शायद वे श्वेता पर हमला करने की कोशिश करें!
ख्याल तो मैं पूरे राजनगर का रखता हूं! श्वेता भी उनमें से एक है।
एक मिनट! फोन आ रहा है। यह कॉलर ट्यून तो घर की है।
जरूर मां का होगा।
मम्मियां ज्यादा देर तक बच्चों से नाराज रह ही नहीं सकतीं।
हैलो, कौन?
रामलाल! हम रामलाल हैं, साहब!

साहब और मेमसाहब अपना सामान लेकर दूसरे घर में जा रहे हैं। मेमसाब कुछ सुन नहीं रही हैं!
आप बात करें उनसे!!
नहीं, काका! उन्हें और ज्यादा सुरक्षित मकान की जरूरत है। आप भी जाएं उनके साथ!
नहीं, साब! हम यही रहेंगे। आपके साथ।
HOME

आप भगाएंगे तो भी नहीं जाएंगे।
ठीक है, काका! पर मैं... जरा देर से आऊंगा! ध्यान रखना!
यह क्या हो रहा है, कैप्टेन? जाओ! जाकर रोको उन्हें!
CF

उन्होंने कुछ सोचकर ही ऐसा निर्णय लिया होगा, पीटर!
पर...
ऊंहु! चलो अब यह टी.वी. सीरियल बंद करो।
मैं कंटेनर का पता करने के लिए राजनगर डॉक यार्ड जा रहा हूं।
वो...उ...श्वेता का मोबाइल मुझे दे दो। मैं उसे श्वेता तक पहुंचाने के लिए रिचा को दे दूंगा।
लोहा भी जंग खा कर कतरा-कतरा होकर बिखर जाता है। पत्थर भी धूल बन कर हवा में उड़ जाता है।
पर इंसान का दिल कम्बख्त ना जाने किस चीज का बना होता है। टूटता हजार टुकड़ों में है पर नजर नहीं आता।
राजनगर डॉक यार्ड में वैसे तो सुरक्षा सख्त रहती थी लेकिन उस बाईक को कोई नहीं रोक सकता था। क्योंकि वह बाईक खुद सुरक्षा थी।
'कंटेनर कंट्रोलर ऑफिस' किस तरफ है, भाई?
ध्रुव साहब!
आप सीधे जाइए और दूसरी क्रेन से बांए मुड़ जाइएगा!
CHECK POINT
DOCK YARD
RAJNAGAR PORT

CONTAINER CONTROLLER OFFICE
"'कंटेनर कंट्रोलर ऑफिस' एकदम सामने है!"
जी, क्या मैं अंदर आ सकता हूं?
नहीं तो क्या वहीं खड़े रहकर दूसरों का रास्ता रोकना है?
जी, मेरे नाम का एक कंटेनर आया होगा मॉरिशस से।
ओबामा हो क्या?
अपना नाम बोलो और फिर रसीद का ट्रांजेक्शन नंबर।
ROY
hp
जी नाम है ध्रुव! सुपर...
सुपर कमांडो ध्रुव!!
अरे! आ... आप यहां कैसे? सॉरी जी।
पहले बैठो जी आप! क्या लेंगे बताएं?
कंटेनर!
नंबर बोलें, जी! फटाफट बताता हूं!

नंबर तो अभी... मेरे पास नहीं है। आप नाम से चैक कर लें।
नाम से पॉसिबल ही नहीं है, सर!
अब ध्रुव नाम तो कईयों का होगा।
आप सुपर कमांडो ध्रुव से सर्च करें। वह तो एक ही होगा?
ना जी जी! बौहोत होंगे।
आप गूगल सर्च मारकर देखो!
यानि... आप ऐसा करते ही नहीं हैं।
करते हैं, लेकिन ऊपर से ऑर्डर आए तो?
ऊपर से? कितनी ऊपर से?
RDY
गांधी जी से!
500
व्हाट? आप... आप मुझसे घूस मांग रहे हैं?
आप से? तौबा- तौबा! मैं तो प्रोसेस बता रहा हूं। प्रैक्टिकल वाला।
वर्ना आप ट्रांजेक्शन नम्बर वाली ई-रसीद भी ले आएंगे तो एक सेकेंड में काम कर दूंगा।
तो मैं रसीद लेकर ही...
ओ जी! म्हारा कंटेनर बीस दिना पैल्ले यरोप से चला था! किधर रखा है?

रसीद नंबर बताइए!
नंबर से मोबाइल में! म्हारे को पढ़ना कठे आवै है?
तू पढ्या-लिख्या लगता है, छोरे! पढ के बता दे नंबर इस कामचोर ने।
लाइए!
ओह! य...यह क्या? आंखें चौंधिया गईं! तेज दर्द भी हो रहा है।
यह लेजर ब्लास्ट था, बच्चे!
तेरा पीछा करते-करते ही हम आए थे, ध्रुव! सोचा था तेरे पीछे ही हम कंटेनर तक पहुंच जाएंगे। पर इस क्लर्क ने खेल बिगाड़ दिया!
अब या तो यह मरेगा या हमें कंटेनर तक लेकर जाएगा!
नं...नंबर पता हो तो बताऊं!
अभी तो बड़ा गांधी जी का भक्त बना फिर रहा था! ले.. दस गांधी ले और बक!
मामला टेढ़ा लगता है। मैं न लेता पैसे, न बताता! नौकरी प्यारी है मुझे।
और जान?
तू देखना चाहता है कि हम किस हद तक जा सकते हैं?
उड़ा दे इस हीरो की खोपड़ी, जल्या!

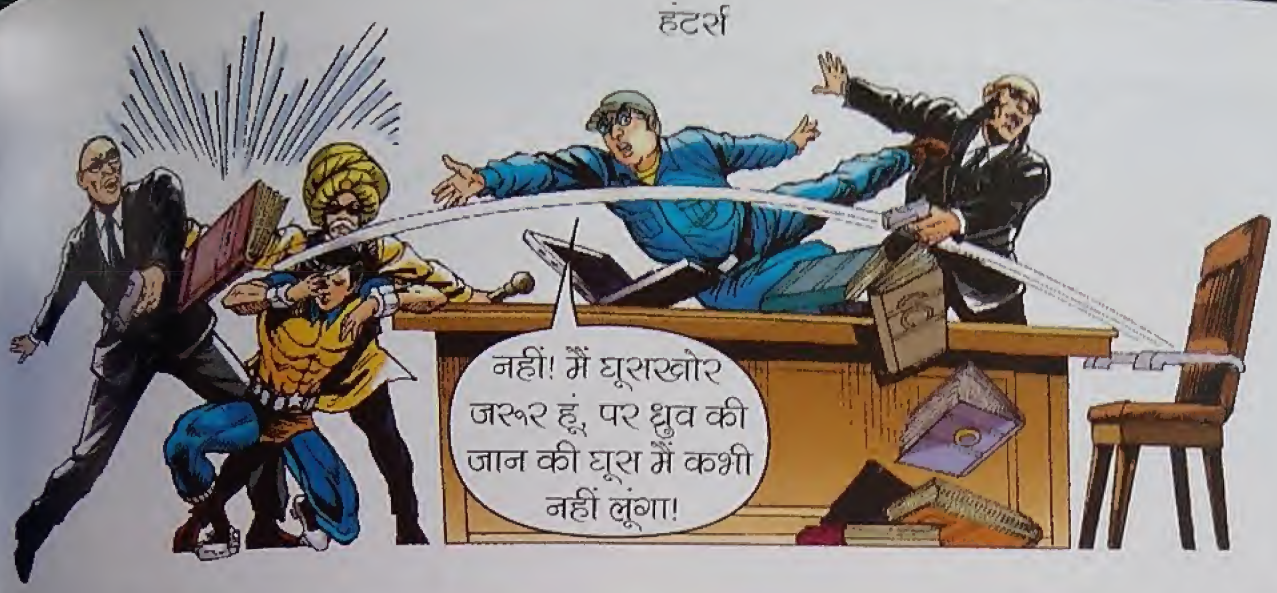
नहीं! मैं घूसखोर जरूर हूं, पर ध्रुव की जान की घूस मैं कभी नहीं लूंगा!

तो फिर अपनी! खोपड़ी तुड़ा के बता!
आऊ! यह तो छड़ी को चाइनीज नानचाकू की तरह खोल रहा है!
ध्रुव भाई! संभाल अपने आपको!

LEDGER 339
तब तक मैं अपनी जान को संभालता हूं!
उफ्फ्! यह मोटापा! जान बच गई तो कल से मॉर्निंग वॉक पर जरूर जाऊंगा!

जान जरूर बचेगी! लेकिन सिर्फ तुम्हारी!

धड़ड़ड़ड़
अरे, ये सरकारी किताबें हैं...
अगर मुझे कुछ देर के लिए नजर नहीं आ रहा है...

तो इन्हें भी नहीं आएगा!
अरे...अरे!

आऊऽऽऽऽ!
अब हिसाब बराबर हुआ!
मैं आंखें बंद करके भी आवाजों से इनकी स्थिती और हरकतों को भांप सकता हूं।
पर ये मेरी हरकत भांप नहीं सकते!
ईयायाऊऊ!
आईईई!
गुड! जितनी जोर से चिल्लाओगे, मुझे तुम्हारी पोजीशन का उतना ही सही अंदाजा लगेगा।
उसके बाद जो लगेगा, वह तुम्हें लगेगा!

अब मुझे साफ-साफ नजर आ रहा है।
अब तुम्हारी बारी है, ताऊ!
मेरी नहीं इसकी बारी है!
आगे बढ़ और इसके कंप्यूटर पर अपने कंटेनर की पोजीशन चेक कर! वर्ना इसकी गर्दन रेत दूंगा इसकी जरूरत अब नहीं है मुझे।
अब तुम बाहर निकल लो!
यहां का सीन जरा डेंजरस होने वाला है।
म...मैं सिक्योरिटी को बुलाता हूं!
टङ्ग
मुझे भी नहीं है।
चाकू छोड़ो, यह नानचाकू लो। खोल दो खोपड़ी इस घूसखोर की।
अरे! इसे मेरी तरफ फेंक रहा है या...
नहीं।...
न जाने इनसे कौन-कौन मिला हुआ हो! फिलहाल मुझे किसी पर भरोसा नहीं है।
पंखे की तरफ!
आऊऽऽऽऽऽ!
वाह!क्या सधा अंदाजा है!
टड़ाक

इन्हें तो मैं खुद ही निपटाऊंगा!
चल! यह तो और भी अच्छा है।
तू मरा तो फिर कंटेनर लेने वाला कौन?
फिर तो वह...
...वैसे ही अपना ही है।
EDGER23

RDY
आहह! इसमें तो गजब की फुर्ती है। मेरा किक एक्शन पूरा होने से पहले ही पगड़ी खोल भी ली और इस्तेमाल भी करली!
...निष्क्रिय करना होगा!
आह!
यह कोई सुपर ट्रेंड कुंग फू फाइटर है। रोप स्टाइल फाइटर!
इसकी रोप को पहले...

ऐसे हवा में पगड़ी उछाल कर अपनी ईज्जत कम मत कर।
मर तो तू शर्म से! कुछ तो ढंग सीख ले।
तैयार हो जा मरने को!
वैसे मुझे शक है कि तुझे ईज्जत का मतलब पता होगा!
मुझे सिर्फ अपने काम से मतलब है।

और मेरा काम है...
मौत देना!
LEDGER
आऽऽह! य...यह तो किसी चीज से रुक ही नहीं रहा है। और इसकी पगड़ी के वारों की तीव्रता बढ़ती ही जा रही है।...
क्योंकि हर वार के साथ इसकी पगड़ी की ऐंठ बढ़ती जा रही है और यह पगड़-रस्सी और कड़ी हो रही है।
इसकी ऐंठ ढीली हो जाए तो...
अगर मैं इसकी पगड़ी को उलटा घुमा कर खोल सकूं तो बात बन जाए।
लेकिन उल्टा घुमाऊं कैसे?

यह मुझे इतना समय तो देगा नहीं...
ऊपर देखो.. ऊपर!
गुड! थैंक्स!!
...उसका हथियार भी थी।
अबकी बार पगड़ी ध्रुव की तरफ लपकी तो ध्रुव के हाथ में एक ढाल थी।
और यही 'ढाल'...

पंखे ने ऐंठी पगड़ी को उल्टा घुमाकर खोलना शुरू किया।
...और पगड़ी सख्त से नरम होने लगी।
अरे! य... यह क्या? मेरी पगड़ी तो...
...तेरे कफन की चादर बन गई है।
कहते हैं न कि तलवार से जीने वाले...
तलवार से ही मरते हैं; चीनी ताऊ!

थैंक्स! तुम्हें पंखे का ध्यान कैसे आया?
अरे! तुमने मेरी गर्दन भी तो पंखे की मदद से ही बचाई थी।
ठीक है। मैं चलता हूं। रसीद मिल गई तो जल्दी वापस आऊंगा।
तुम गाईस को बुला लो!
अरे, रुको! इन्होनें तुम्हारी किक खाई है, कम से कम दो घंटे तो बेहोश रहेंगे।
चलो, मैं तुम्हें तुम्हारा कंटेनर दिखाता है।
पर, आप तो रसीद...
अरे, छोड़ो! जान बचाई है तुमने हमारी!
और जान बचाने का इतना सा शुक्रिया तो अदा करना बनता ही है! क्यों?
ध्रुव कंटेनर की तरफ चल तो दिया था, पर अभी पहुंचा नहीं था।
कंटेनर तक पहुंचने की रेस अभी भी जारी थी।
READY FOR MEMORY SCAN
आह!
इसकी उम्र का ध्यान रखना। 'ब्रेन एक्टीवेट' करने के चक्कर में कहीं इसे 'ब्रेन हेमरेज' न हो जाए!
चिंता मत करो। ओवरडोज नहीं दूंगा! इस दवा की दो बूंदें ही इसका ब्रेन हैक करने को काफी हैं।

इंजेक्शन जैकब की त्वचा में घुसा।
और उसका 'मेमोरी बॉक्स' अनलॉक होने लगा!
SESSION BEGINS...
देखो! सीरम काम कर रहा है!! गुड! अब इसकी मेमोरी की इलेक्ट्रिकल वेव्स WIFI से...
...हमारे 'कन्वर्टर' से जुड़ेंगी, और उनको पिक्चर्स में बदल कर स्क्रीन पर दिखाएंगी।
पर..पर यह तो इसकी चालीस साल पुरानी मेमोरी लगती है। बंदूक लिए खड़ा है। जवान शिकारी रहा होगा जैकब!
ओऽऽ! इसकी फैमिली भी है! एक लड़का है। पर... वह अब कहां है?
आगे की मेमोरी फीड का इंतजार करना पड़ेगा!
पर हमारे पास इतना टाईम है क्या? ऐसे तो उस कंटेनर का पता मिलने में न जाने कितना टाईम लगेगा।

तब तक ध्रुव कहीं कंटेनर तक न पहुंच जाए!
उससे भी बदतर!
कहीं वह यहां तक न पहुंच जाए! सुना है वह जैकब को भी ढूंढ रहा है।
असंभव! हमारी थीटियर सिक्योरिटी है। लाईट मशीन गन्स से लैस!
वे चाहे उसे रोक न पाएं...
पर हमें वार्निंग तो मिल ही जाएगी...
य...यह क्या है? पूरी मशीन का भट्ठा बिठा दिया!
ओ गॉड!
पर...इतना भयानक वार कौन कर रहा है? यह ध्रुव तो हो नहीं सकता!!
इनका ख्याल सही था।

वह जो भी था; पर ध्रुव नहीं था!
सर, यह है आपका कंटेनर! अनऑफिशियल है, पर कहो तो मास्टर की से खोल भी दूं! खोल दूं?
खोलने का काम मैं खुद कर लूंगा! तुम्हारी मास्टर की से!
सरजी, आपने मेरी जान बचाई है, तो अब नौकरी भी तो बचा लो! ये की दी तो मेरी नौकरी गई समझो!
हम तो जान थोक के भाव में लेते हैं।
जब जान ही नहीं रहेगी तो नौकरी रख के क्या करोगे?
ज..जान! पर.. पर आप मेरी जान क्यों लेंगे! मैंने...गड़ब...मैंने तो सुना है कि ध्रुव कभी जान नहीं लेता!
..य...यह क्या? तु...तुम तो ध्रुव नहीं हो! कौन हो...
ध्रुव नहीं लेता होगा!...

ध्रुव बनकर आया था तू!!
किस्मत अच्छी है तेरी जो ध्रुव खुद इस दौरान नहीं आ गया। वर्ना उसके सामने तू इतनी बातें नहीं बक रहा होता।
हम हंटर्स हैं! पहले शिकार को समझते हैं और फिर शिकार करते हैं।
...तुम?
आह!
गजब की समझ है तुझमें! मैं तेरी मौत हूं! गिलीगिली हूं।
मदद तो की है तूने!
पर क्या करूं? सच बताने के लिए तुझे जिंदा नहीं छोड़ सकता!
ध्रुव कभी हमारी नजरों से दूर नहीं हुआ! अभी भी चौबीसों घंटे उसकी निगरानी हो रही है। उसके फोन टेप हो रहे हैं।
उसी ने अपनी कमांडो फोर्स को फोन करके बताया था कि कंटेनर, राजनगर शिप यार्ड में आ चुका है। पर उसे पहले अस्पताल जाना था! आधे घंटे से पहले वह यहां नहीं पहुंच सकता था...
वैसे ताजी रिपोर्ट के अनुसार वह अभी तक घर से ही नहीं निकला है। उसका नौकर दस मिनट पहले कहीं निकला था। शायद वह इंतजार कर रहा है। तो सोच, कि वह तुझे बचाने कैसे आएगा?

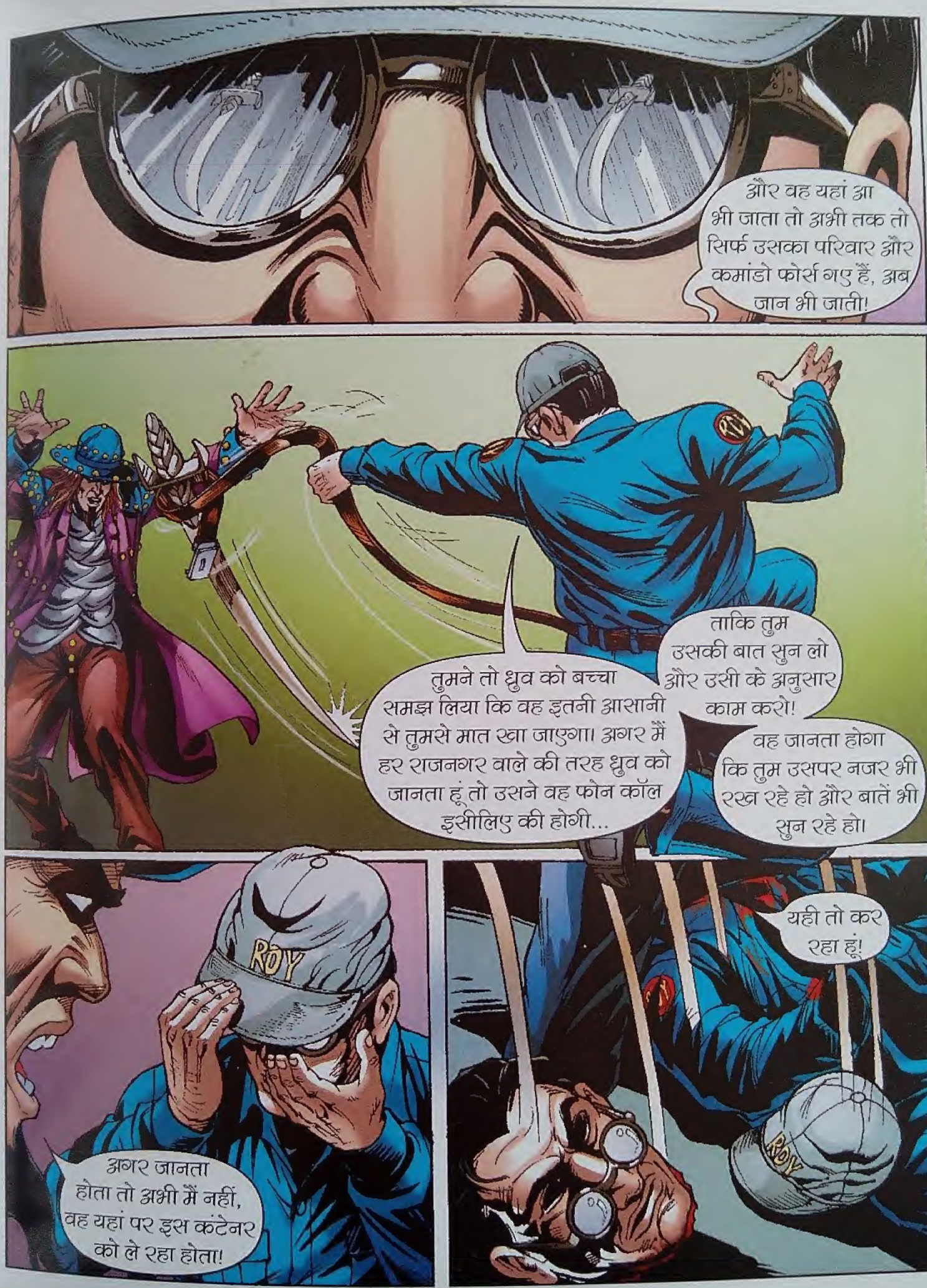
और वह यहां आ भी जाता तो अभी तक तो सिर्फ उसका परिवार और कमांडो फोर्स गए हैं, अब जान भी जाती!
तुमने तो ध्रुव को बच्चा समझ लिया कि वह इतनी आसानी से तुमसे मात खा जाएगा। अगर मैं हर राजनगर वाले की तरह ध्रुव को जानता हूं तो उसने वह फोन कॉल इसीलिए की होगी...
ताकि तुम उसकी बात सुन लो और उसी के अनुसार काम करो!
वह जानता होगा कि तुम उसपर नजर भी रख रहे हो और बातें भी सुन रहे हो।
ROY
अगर जानता होता तो अभी मैं नहीं, वह यहां पर इस कंटेनर को ले रहा होता!
यही तो कर रहा हूं!
ROY

फ्लैशबैक

कमरा:

रहस्यों की पर्तें खुलेंगी और जैकब के जीवन के एक नहीं कई रहस्य उजागर होंगे। और हर रहस्य ध्रुव की जिंदगी को और बिखेरता जाएगा। तब तक जब तक वह खुद टूट कर बिखर न जाए।